09.12.2014

सर्व खज़ानों से सम्पन्न एक बाप के साथ सर्व अधिकारी आत्माओं की रूहरूहान

पहली स्मृति

ऑख खुलते ही संकल्प करें क मैं आत्मा हूँ। मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिए स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ।

मैं कौन हूँ

मैं बाबा के सर्व खज़ानों की अधिकारी आत्मा हूँ। मैं ब्राहम्ण आत्मा बापदादा से मिलन मनाकर अपने सर्व अधिकार प्राप्त कर रही हूँ।

मैं किसकी हूँ

आत्मा की बाबा से रूहरिहान

मीठे बाबा । गुड मॉरनिंग । मैं आपकी हूँ। आपका खज़ाना मेरे लिए सदा खुला है। आप मुझे बेहद का खज़ाना दे रहे हैं।

बाबा की आत्मा से रूहरिहान

मीठे बच्चे। जागो । मेरे साथ बैठो। बाबा का सब खज़ाना तुम्हारा ही तो है। बाबा तुम्हें विश्व राज्य तख़्त का अधिकारी बनाने आए हैं। राजा तो सिर्फ थोड़े समय के लिए राज्य तख़्त पर बैठता है लेकिन तुम्हें तो बेहद का राज्य तख़्त पाने का गोल्डन

चांस मिला है । तुम तो अपनी गोल्डन स्टेज से भविष्य गोल्डन दुनिया में श्रेष्ठ पद पा सकते हो ।

बाबा से प्रेरणाएँ

अपने मन को सर्व बातों से हटाकर बाबा में लगाएँ । बाबा है साइलेन्स का सागर । इस साइलेन्स में मैं बाबा से प्रेरणायुक्त व पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ ।

बाबा से वरदान

सूक्ष्म वतन में मीठे बाबा के सामने मेरा फरिश्ता स्वरूप स्पष्ट दिखाई दे रहा है । बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं

तुमने बाप को निरंतर अपना मीठा साथी बनाया है । इसलिए तुम्हें सदा बाप का सहारा है । तुम परिस्थितियों को शक्तिशाली पंखों से उड़कर पार करने वाले सहज व नेचुरल पुरूषार्थी हो ।

बेहद की सूक्ष्म सेवा

आखरी के पन्द्रह मिनट – प्रात 4। 45 से 5 बजे तक

बाबा द्वारा प्राप्त हुए इस वरदान को मैं पूरे संसार को वरदाता बन कर अपने शुभ संकल्पों द्वारा दे रही हूँ । अपनी फरिशता ड्रेस पहनकर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ ।

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया से पार जाकर अपनी स्टेज को स्थिर बनाएँ। चेक करें आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की अगर हाँ तो बाबा को बताएँ। किसी के मोह व आकर्षण में बुद्धि तो नहीं फँसीॠ अपने कर्मों का चार्ट बनाएँ। तीस मिनट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयँ को मुक्त करें। अपने दिल को साफ व हल्का कर सोएँ।

भोलानाथ बाप के साथ रूहे गुलाब की रूहरूहान

पहली स्मृति

आँख खुलते ही संकल्प करें - मैं आत्मा हूँ | मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिए स्वीट लाइट के होम में अवतरित हुई हूँ |

मैं कौन हूँ ?

मैं रूहे गुलाब हूँ | मुझ आत्मा में रंग, रूप, खुशबू व सुन्दरता है | बाबा विशेष प्यार व् शक्ति से मेरी पालना कर रहे हैं

मैं किसकी हूँ?

आत्मा की बाबा से रूहरिहान

मीठे बाबा ! गुड मारनिंग | भोलानाथ बाबा | मैं आपकी हूँ | आप अपने वरदानों के खजानों से मुझे वरदान देते हैं |

बाबा की आत्मा से रूहरिहान

मीठे बच्चे!जागो! मेरे साथ बैठो | अमृतवेले के रूहानी समय व दिन और रात के बीच के समय पर मुझ भोलानाथ बाप से बुद्धि योग लगाकर तुम जो चाहो वो प्राप्त कर सकते हो | ये ऐसा समय है , जब तुम भोलेनाथ बाप से बिना मेहनत के अथाह वरदान ले सकते हो | इस समय अपरमपार ख़ुशी व प्राप्तियों का अनुभव करो |

बाबा से प्रेरणायें

अपने मन को सर्व बातों से हटाकर बाबा में लगायें | बाबा है साइलेंस का सागर | इस साइलेंस में , मैं बाबा से प्रेरणायुक्त व पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ |

बाबा से वरदान

सूक्ष्म वतन में मीठे बाबा के सामने मेरा फ़रिश्ता स्वरुप दिखाई दे रहा है | बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं -

तुम शांत स्वरुप व बेफिक्र आत्मा हो , जिसकी स्मृति की लाइट सदा जलती रहती है | यह लाइट मोह रुपी अंधकार को समाप्त कर भगवान के दिल की मिठास व सुन्दरता के प्रत्यक्ष करता है | इस लाइट से तुम्हें पंख मिलते हैं, जिससे तुम सारे विश्व को उड़ने में मदद करते हो |

बेहद की सूक्ष्म सेवा (आखिरी के पन्द्रह मिनट - प्रातः4.45 से 5 बजे तक)

बाबा द्वारा प्राप्त हुए इस वरदान को मैं पुरे संसार को वरदाता बन कर अपने शुभ संकल्पों द्वारा दे रही हूँ | अपनी फ़रिश्ता ड्रेस पहनकर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ |

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया से पार जाकर अपनी स्टेज को स्थिर बनायें | चेक करें आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तोह नहीं की ? अगर हाँ, तो बाबा को

बताएं | किसी की मोह व आकर्षण में बुद्धि तो नहीं फंसी? अपने कर्मों का चार्ट बनाएं |तीन मिनट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें | अपने दिल को साफ़ व हल्का कर सोयें |

December 11th, 2014

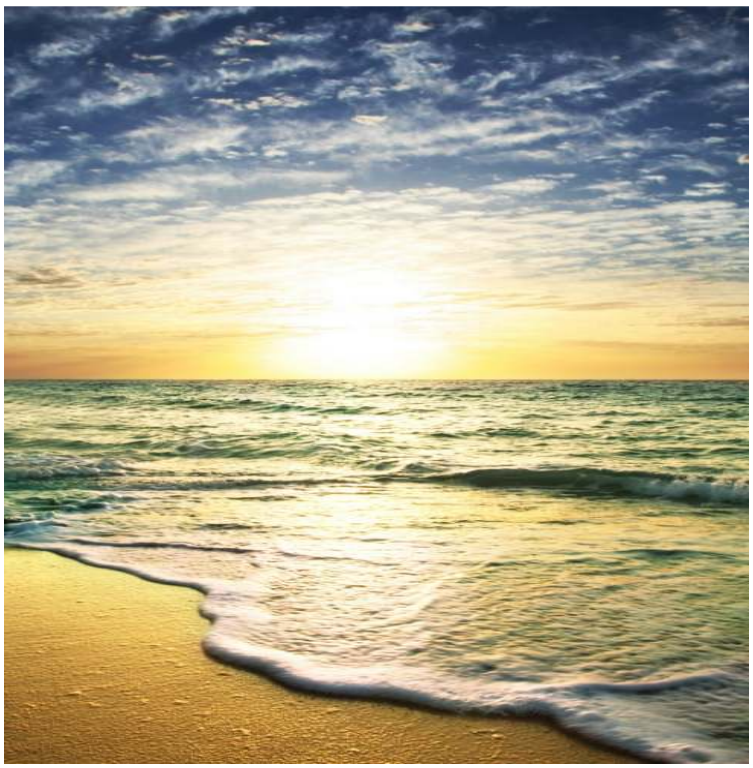

प्यार के सागर के साथ महारथी बच्चों की रूहरूहान

पहली स्मृति

मैं आत्मा हूँ | मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिए स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ |

मैं कौन हूँ ?

मैं' महारथी बच्चा हूँ | अमृतवेले के विशेष समय पर मैं प्यार के सागर में समाकर बाबा के अति समीप स्वयं को अनुभव कर रही हूँ | मेरा रूप व बाबा का रूप समान हो गया है | बाबा के गुण और मेरे गुण समान हो गए हैं | मैं बाबा का प्यार अनुभव करने में माहिर हो गई हूँ |

मैं किसकी हूँ ?

मीठे बाबा ! गुड मारनिंग ! प्यार के सागर बाबा ! मैं आपकी हूँ! मैं जो हूँ जैसी हूँ , आपकी हूँ ! आप मेरे हो ! मीठे बाबा ! मैं तों आपजे प्यार में समा गई |

बाबा की आत्मा से रूहरिहान

मीठे बच्चे! जागो! मेरे साथ बैठो ! जब तुम्हारा रूप बाबा जैसा हो , तो तुम्हारे भी गुण बाप जेसे हो जायेंगे ! तुम महारथी बच्चा बनकर मुझसे मिलो और मेरे में समा जाओ ! जैसे नदियाँ सागर में मिलकर उसमें समा जाती हैं , वैसे ही बाबा के गुण बाप तुम आत्मा में समा जाते हैं | महारथी बच्चों का अनुभव साकार ब्रह्मा बाप समान होगा | तुम अपने सम्पन्न व सम्पूर्ण स्वरुप का अनुभव करो |

बाबा से प्रेरणाएं

अपने मन को सर्व बातों से हटाकर बाबा में लगाएं ! बाबा है साइलेंस का सागर | इस साइलेंस में , मैं बाबा से प्रेरणायुक्त व पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ |

बाबा से वरदान

सूक्ष्म वतन में मीठे बाबा के सामने मेरा फ़रिश्ता स्वरुप स्पष्ट दिखाई दे रहा है | बहुत प्यार व् शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं -

तुम ज्ञानी व समझकर आत्मा हो , जिसमें रूहानी शक्तियों का सही समय पर प्रयोग कर माया के खेल को मनोरंजन में बदल देने की विशेषता है | इसलिए विजय का तिलक मस्तक पर सदा चमकता है | बाबा का गोल्डन वरदानी हाथ सदा तुम्हारे सिर पर है |

बेहद की सूक्ष्म सेवा (आखिरी के पन्द्रह मिनट - प्रातः 4.45 से 5 बजे तक)

बाबा द्वारा प्राप्त हुए इस वरदान को मैं पुरे संसार को वरदाता बन कर अपने शुभ संकल्पों द्वारा दे रही हूँ | अपनी फ़रिश्ता ड्रेस पहनकर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ |

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया से पर जाकर अपनी स्टेज को स्थिर बनायें | चेक करें आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की ? अगर हाँ, तो बाबा को बताएं | किसी के मोह व आकर्षण में बुद्धि तो नहीं फंसी ? अपने कर्मों का चार्ट बनाएं| तीस मिनट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें | अपने दिल को साफ व हल्का कर सोयें |

12.12.2014

सुप्रीम मैगनेट (चुम्बक) के साथ शुद्ध व पवित्र आत्मा की रूहरूहान

पहली स्मृति

मैं आत्मा हूँ | मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिए स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ |

मैं कौन हूँ ?

मैं एक शुद्ध व पवित्र आत्मा हूँ |अमृतवेले में बैठते ही मैं स्वयं को सुप्रीम मैगनेट(चुम्बक) की तरफ आकर्षित होता अनुभव कर रही हूँ| मीठे बाबा ! सुप्रीम मैगनेट ! आपने मुझे सर्व प्राप्ति सम्पन्न बना दिया | ये सर्व प्राप्तियां चुम्बक के समान हर एक आत्मा को बाबा की तरफ आकर्षित करती हैं |

मैं किसकी हूँ ?

आत्मा की बाबा से रूहरिहान

मीठे बाबा ! गुड मारनिंग ! सुप्रीम मैगनेट! मैं आपकी हूँ ! मैं जहाँ भी देखूं व जिसको भी देखूं, मुझे आपके साथ का अनुभव होता है | सुप्रीम मैगनेट ! मुझे आपसे सब कुछ मिल गया |

बाबा की आत्मा से रूहरिहान

मीठे बच्चे! जागो! मेरे साथ बैठो ! ये याद रखो कि सर्व प्राप्तियां ही तुम्हें आकर्षणमूर्त बनाती हैं | सर्व प्राप्तियों की शक्ति से तुम पत्थर से पानी निकालकर रेगिस्तान को भी हरा भरा बना सकते हो ! ब्राह्मण जन्म पाने से लेकर आज तक की सर्व प्राप्तियों को याद करो | यदि तुम अपने आदि पवित्र स्वरुप को सदा स्मृति मेंरखोगे, तो तुम रूहानी मैगनेट बन जाओगे और तुम्हारी प्यूरिटी की पर्सनालिटी विश्व की सर्व आत्माओं को बाबा की तरफ आकर्षित करेगी |

बाबा से प्रेरणाएं

अपने मन को सर्व बातों से हटाकर बाबा में लगाएं ! बाबा है साइलेंस का सागर | इस साइलेंस में , मैं बाबा से प्रेरणायुक्त व पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ |

बाबा से वरदान

सूक्ष्म वतन में मीठे बाबा के सामने मेरा फ़रिश्ता स्वरुप स्पष्ट दिखाई दे रहा है | बहुत प्यार व् शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं –

तुम सुप्रीम ख़ुशी पाने वाली भाग्यवान आत्मा हो क्योंकि तुम्हें बापदादा का दिल तख़्त मिल गया है / इस ख़ुशी की खुराक को तुम सर्व आत्माओं को खिलाते हो / तुम्हारे दिल में सदा यही गीत बजता है "वाह! मेरा भाग्य वाह!" तुम अपने जीवन में सदा निश्चिंत रहते हो /

बेहद की सूक्ष्म सेवा (आखिरी के पन्द्रह मिनट – प्रातः 4.45 से 5 बजे तक)

बाबा द्वारा प्राप्त हुए इस वरदान को मैं पुरे संसार को वरदाता बन कर अपने शुभ संकल्पों द्वारा दे रही हूँ | अपनी फ़रिश्ता ड्रेस पहनकर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ |

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया से पर जाकर अपनी स्टेज को स्थिर बनायें | चेक करें आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की ? अगर हाँ, तो बाबा को बताएं | किसी के मोह व आकर्षण में बुद्धि तो नहीं फंसी ? अपने कर्मों का चार्ट बनाएं| तीस मिनट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें | अपने दिल को साफ व हल्का कर सोयें |

13.12.2014

भाग्य विधाता बाप के साथ आत्मा की रूहरूहान

पहली स्मृति

मैं आत्मा हूँ | मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिए स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ |

मैं कौन हूँ ?

मैं एक सफलतामूर्त आत्मा हूँ क्योंकि मैं परमात्मा का आज्ञाकारी बच्चा हूँ| अमृतवेले में बैठते ही मुझे ऐसा अनुभव हो रहा है जैसे भाग्य विधाता बाप मेरे मस्तक पर सफलता का तिलक लगा रहे हैं | बाबा स्वयं आकर मुझ आत्मा को सफलता का तिलक दे रहे हैं |

मैं किसकी हूँ ?

आत्मा की बाबा से रूहरिहान

मीठे बाबा ! गुड मारनिंग ! मैं अलर्ट होकर आपकी याद में एकाग्रचित्त बैठी हूँ | मैं यह जानती हूँ कि थोड़ा सा भी आलस्य व झुटका मुझे पूरा भाग्य बनाने से वंचित कर देगा | मैं आत्मा की ज्योति को जगाकर आपका आवाहन कर रही हूँ | आप तो लक्ष्मी के रचियता हैं | भाग्य विधाता बाबा ! आप आकर मेरा भाग्य बनाइये |

बाबा की आत्मा से रूहरिहान

मीठे बच्चे! जागो! मेरे साथ बैठो ! अमृतवेला पर जितना तुम मुझे याद करते हो उससे कई हज़ार गुणा मैं तुम्हें याद करता हूँ | रोज़ बाबा चक्कर लगाकर तुम्हारी याद का रीटर्न देते हैं | इस समय अगर तुम सोये पड़े होगे तो तुम्हें बाबा से सम्पूर्ण प्राप्ति नहीं हो सकेगी | इसलिए बाबा से पूरी मदद पाने के लिए पुरुषार्थ करो| चेक करो | अलर्ट होकर बैठो | आज्ञाकारी बनो , ताकि सारे दिन के लिए तुम्हें शक्ति मिलती रहे |

बाबा से प्रेरणाएं

अपने मन को सर्व बातों से हटाकर बाबा में लगाएं ! बाबा है साइलेंस का सागर | इस साइलेंस में , मैं बाबा से प्रेरणायुक्त व पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ |

बाबा से वरदान

सूक्ष्म वतन में मीठे बाबा के सामने मेरा फ़रिश्ता स्वरुप स्पष्ट दिखाई दे रहा है | बहुत प्यार व् शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं –

बाबा तुम्हें रूहानी शक्तियां वरदान के रूप में दे रहे हैं | तुम इन दिव्य शक्तियों से सदा जगमगाते रहो | तुमने याद की शक्ति, जो सबसे आवश्यक

है, उस पर मास्टरी कर ली है | तुम अपने मन व बुद्धि को एक सेकंड में एकाग्र कर सकते हो |

बेहद की सूक्ष्म सेवा (आखिरी के पन्द्रह मिनट – प्रातः 4.45 से 5 बजे तक)

बाबा द्वारा प्राप्त हुए इस वरदान को मैं पुरे संसार को वरदाता बन कर अपने शुभ संकल्पों द्वारा दे रही हूँ | अपनी फ़रिश्ता ड्रेस पहनकर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ |

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया से पार जाकर अपनी स्टेज को स्थिर बनायें | चेक करें आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की ? अगर हाँ, तो बाबा को बताएं | किसी के मोह व आकर्षण में बुद्धि तो नहीं फंसी ? अपने कर्मों का चार्ट बनाएं| तीस मिनट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें | अपने दिल को साफ व हल्का कर सोयें |

14.12.2014

वरदानों के पात्र बच्चे की वरदाता बाप से रूहरिहान

पहली स्मृति

आँख खुलते ही संकल्प करें कि मैं आत्मा हूँ। मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिये स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ।

मैं कौन हूँ?

बाबा! मैं आपकी बहुत हिम्मतवान् और उमंग-उत्साह से भरपूर लायक बच्ची हूँ। इस समय पर बाबा से सर्व शक्तियाँ लेने की मैं अधिकारी आत्मा हूँ। ये दिल का प्यार मुझे आपकी योग्य बच्ची बना रहा है।

मैं किसकी हूँ?

आत्मा की बाबा से रूहरिहान:

मीठे बाबा - गुड मॉर्निंग। बाबा! आप मेरे हैं। मैं आप की हूँ। बाबा! ये दिल का प्यार और अपनापन मुझे आप से सर्व वरदानों का भाग्य दिला रहा है। आप से मिल रहे ये वरदान मेरी सारी कमी-कमज़ोरिओं को मिटा रहे हैं। शुक्रिया बाबा शुक्रिया।

बाबा की आत्मा से रूहरिहान:

मीठे बच्चे! जागो! मेरे साथ बैठो। बच्चे अमृतवेला का वरदानी समय बाबा ने खास अपने ब्राह्मण बच्चों के लिये ही निश्चित किया है। इस समय पर तुम जो चाहो वो बाबा से प्राप्त कर सकते हो। यही वो समय है जब बाबा तुम बच्चों की विशेषताओं और गुणों को निहारते हैं। मैं तुम्हे विशेष वरदानों से भर देता हूँ और तुम्हारी विशेषताओं, गुणों और सेवाओं को अविनाशी बना देता हूँ। मुझसे पहला पहला वरदान पाने का भाग्य भी तुम बच्चों को ही मिला हुआ है।

बाबा से प्रेरणाऐ:

अपने मन को सर्व बातों से हटा कर बाबा मे लगाऐं। बाबा है साइलेन्स का सागर। इस साइलेन्स मे मैं बाबा से प्रेरणायुक्त और पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ।

बाबा से वरदान:

सूक्ष्म वतन मे मीठे बाबा के सामने मेरा फरिश्ता स्वरूप साफ दिखाई दे रहा है। बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं –

तुम बच्चे जब एक बाप को अपना संसार बना लेते हो तो सहज ही तुम मायावी सोने की जंजीरों और व्यर्थ इच्छाओं के आकर्षण से मुक्त हो जाते हो। एक बाप ही तुम बच्चों की सर्व मनोकामनाऐं पूरी कर देते हैं। तुम बच्चे "मैं" पन को "मेरा बाबा" मे परिवर्तन कर संतुष्टमणी और सुख के मास्टर सूर्य बन जाते हो।

बेहद की सूक्ष्म सेवा: (आखिरी के पंद्रह मिनिट - प्रातः ४:४५ से ५:०० बजे तक)

बाबा द्वारा इस वरदान को अपने शुभ संकल्पों द्वारा, वरदाता बन, मैं पूरे विश्व को दान दे रही हूँ। अपनी फरिश्ता ड्रेस पहन कर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ।

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया के पार जा कर अपनी स्टेज को स्थिर बनाऐं। चेक करें की आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की? अगर हाँ तो बाबा को बताऐं। किसी के मोह या आकर्षण मे बुद्धि तो नहीं फंसी? अपने कर्मो का चार्ट बनाऐं। तीस मिनिट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें। अपने दिल को साफ और हल्का कर के सोऐं।

15.12.2014

एक फरिश्ते की अव्यक्त ब्रह्मा से रूहरिहान

पहली स्मृति

आँख खुलते ही संकल्प करें कि मैं आत्मा हूँ। मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिये स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ।

मैं कौन हूँ?

मैं एक फरिश्ता हूँ। अमृत वेले बैठते ही मैं बहुत प्यार भरी दृष्टि से अव्यक्त ब्रह्मा बाबा को निहार रही हूँ। बाबा! मैं आपकी सेवा का कितना ना धन्यवाद करूं, जो शिव बाबा आपके द्वारा कराते हैं। मैं सूक्ष्म वतन से ब्रह्मा बाबा को बेहद की रूहानी सेवा करते हुए देख रही हूँ।

मैं किसकी हूँ?

आत्मा की बाबा से रूहरिहान:

मीठे ब्रह्मा बाबा - गुड मॉर्निंग। मैं फरिश्ता बन सूक्ष्म वतन में आपके साथ बैठी हूँ। बाबा! आपकी अलौकिक दृष्टि से मैं सर्व शक्तियों का अनुभव कर रही हूँ। आपका ये साथ मुझे सम्पूर्णता की ओर लिये जा

रहा है। आपकी अथक सेवा मुझे आप समान फरिश्ता बनने की प्रेरणा दे रही है। आपके इस निस्वार्थ प्रेम का रिटर्न मैं कैसे दे पाऊँगी बाबा। मुझे तो आप जैसा निरंतर योगी और निरंतर सेवाधारी बनना है।

बाबा की आत्मा से रूहरिहान:

मीठे बच्चे - जागो। मेरे साथ बैठो। ब्रह्मा बाबा तुम्हारी कमी-कमज़ोरियों को समझते हैं और तुम्हे शक्ति और हिम्मत से भरपूर करते हैं। बापदादा तुम्हे बेहद की सेवा के लिये तैयार कर रहे हैं। मैं तुम्हारे में उमंग-उत्साह भरकर विश्व सेवा करने की शक्ति देता हूँ। एक् शिल्पकार की तरह मैं तुम बच्चों को अध्यात्मिक गुणों और विशेषताओं से सजाता हूँ।

बाबा से प्रेरणाऐ:

अपने मन को सर्व बातों से हटा कर बाबा में लगाऐं। बाबा है साइलेन्स का सागर। इस साइलेन्स में मैं बाबा से प्रेरणायुक्त और पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ।

बाबा से वरदान:

सूक्ष्म वतन में मीठे बाबा के सामने मेरा फरिश्ता स्वरूप साफ दिखाई दे रहा है। बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं –

तुम अपने संकल्पों की रचना बहुत ध्यान से करते हो। जब तुम संकल्पों को व्यर्थ और निगेटिव से बचा लेते हो, तो समर्थ संकल्पों को साकार

करने की शक्ति आ जाती है। तुम्हारे इस परिवर्तन से एक सुन्दर् विश्व का पुन: निर्माण हो जाता है।

बेहद की सूक्ष्म सेवा: (आखिरी के पंद्रह मिनिट - प्रातः ४:४५ से ५:०० बजे तक)

बाबा द्वारा इस वरदान को अपने शुभ संकल्पों द्वारा, वरदाता बन, मैं पूरे विश्व को दान दे रही हूँ। अपनी फरिश्ता ड्रेस पहन कर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रहीं हूँ।

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया के पार जा कर अपनी स्टेज को स्थिर बनाऐं। चेक करें की आज दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की? अगर हाँ तो बाबा को बताऐं। किसी के मोह या आकर्षण में बुद्धि तो नहीं फंसी? अपने कर्मो का चार्ट बनाऐं। तीस मिनिट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें। अपने दिल को साफ और हल्का कर के सोऐं।

16.12.2014

भोलानाथ बाप के साथ अनुभवीमूर्त आत्मा की रूहरिहान

पहली स्मृति

मैं आत्मा हूँ | मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिए स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ |

मैं कौन हूँ?

मैं एक अनुभवीमूर्त आत्मा हूँ | एक सेकंड के अमृतवेले का गहरा अनुभव मुझे दिन भर के लिए भरपूर कर देता है | मुझे तो सिर्फ भोलानाथ बाप से बुद्धियोग लगाना है |

मैं किसकी हूँ?

आत्मा की बाबा से रूहरिहान:

मीठे ब्रह्मा बाबा - गुड मॉर्निंग ! भोलानाथ बाप ! आप मेरे पिता हो | मैं स्वयं में असीम शांति को समाकर अत्यंत भाग्यशाली अनुभव कर रही हूँ | आपका स्नेह मेरे दिल में समाया हुआ है | मुझे अपने आदि पवित्र व शक्तिशाली स्वरुप की स्मृति आ गई है |

बाबा की आत्मा से रूहरिहान:

मीठे बच्चे - जागो ! मेरे साथ बैठो । मैं तुम्हारे लिए सदा हाज़िर हूँ | चाहे तुम मेरे साथ खाओ, बैठो, खेलो, कुछ भी करो, मैं तुम्हारे साथ सदा रहता हूँ | तुम जो भी अनुभव व प्राप्ति करना चाहते हो कर सकते हो | अमृतवेले के समय तुम मुझ भोलानाथ बाप से सहज मिल कर सर्व प्राप्तियों का खजाना लूट सकते हो | इस समय पर सर्व गुणों व सर्व शक्तियों की खान तुम्हारे लिए खुली है |

बाबा से प्रेरणाऐ:

अपने मन को सर्व बातों से हटा कर बाबा में लगाऐं। बाबा है साइलेन्स का सागर। इस साइलेन्स में मैं बाबा से प्रेरणायुक्त और पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ।

बाबा से वरदान:

सूक्ष्म वतन में मीठे बाबा के सामने मेरा फरिश्ता स्वरूप साफ दिखाई दे रहा है। बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं –

तुम एक कर्मयोगी आत्मा हो जिसके हर सेकंड, हर संकल्प व हर कर्म में रूहानियत है | तुम्हारी हर श्वांस में बाबा है, हर कदम में सत्यता है व हर कर्म में कल्याण की भावना है | इसलिए संतुष्टता तुम्हारे दिल का राजा है | यह गिफ्ट तुम सबको दान में देते हो |

बेहद की सूक्ष्म सेवा: (आखिरी के पंद्रह मिनिट - प्रातः ४:४५ से ५:०० बजे तक)

बाबा द्वारा इस वरदान को अपने शुभ संकल्पों द्वारा, वरदाता बन, मैं पूरे विश्व को दान दे रही हूँ। अपनी फरिश्ता ड्रेस पहन कर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रहीं हूँ।

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया के पार जा कर अपनी स्टेज को स्थिर बनाऐं। चेक करें की आज दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की? अगर हाँ तो बाबा को बताऐं। किसी के मोह या आकर्षण में बुद्धि तो नहीं फंसी? अपने कर्मो का चार्ट बनाऐं। तीस मिनिट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें। अपने दिल को साफ और हल्का कर के सोऐं।

17.12.2014

भाग्यविधाता भोले बाप के साथ स्नेही बच्चे की रूहरूहान

पहली स्मृति

मैं आत्मा हूँ | मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिए स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ |

मैं कौन हूँ ?

मैं बाबा से रूहानी प्यार रखने वाला स्नेही बच्चा हूँ | बाबा के वर्से पर मेरा सम्पूर्ण अधिकार है | इस समय पर मैं बिना मेहनत के बाबा से सर्व अधिकार ले सकती हूँ |

मैं किसकी हूँ ?

आत्मा की बाबा से रूहरिहान

मीठे बाबा ! गुड मारनिंग ! मेरा तो बस यही एक संकल्प है कि मैं जो हूँ, जैसी हूँ, आपकी हूँ |

बाबा की आत्मा से रूहरिहान

मीठे बच्चे! जागो! मेरे साथ बैठो ! मैं , भाग्यविधाता भोला बाबा , तुम्हारे श्रेष्ठ भाग्य की रेखा खींचने के लिए आया हूँ | इस समय पर भगवान अपने भोले व अति स्नेही स्वरुप में हैं | स्नेह की शक्ति द्वारा तुम अपना सर्वश्रेष्ठ भाग्य ले सकते हो | तुम चाहो तो 8 या 108 की माला में आ सकते हो | भगवान का तुम्हारे लिए खुला निमन्तरण है | सिर्फ थोड़े में ही खुश ना हो जाओ | यह समय मुटठी भर चने कमाने का नहीं है | तुम्हें तो भविष्य में महल मिलने वाले हैं |

बाबा से प्रेरणाएं

अपने मन को सर्व बातों से हटाकर बाबा में लगाएं ! बाबा है साइलेंस का सागर | इस साइलेंस में, मैं बाबा से प्रेरणायुक्त व पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ |

बाबा से वरदान

सूक्ष्म वतन में मीठे बाबा के सामने मेरा फ़रिश्ता स्वरुप स्पष्ट दिखाई दे रहा है | बहुत प्यार व् शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं -

तुम सदा स्वयं से संतुष्ट रहते हो | बाप और परिवार भी तुमसे संतुष्ट है | तुम जहाँ भी जीते हो , तुम्हारा सहज योगी वायुमंडल को चमका देता है जिससे आत्माओं को स्वयं की विशेषताएं दिखाई पड़ती हैं व उन्हें परमात्मा के स्नेह भरे दिल का दर्शन हो जाता है | यह अनुभव उन्हें स्व-परिवर्तन का मार्ग दिखाता है |

बेहद की सूक्ष्म सेवा (आखिरी के पन्द्रह मिनट - प्रातः 4.45 से 5 बजे तक)

बाबा द्वारा प्राप्त हुए इस वरदान को मैं पुरे संसार को वरदाता बन कर अपने शुभ संकल्पों द्वारा दे रही हूँ | अपनी फ़रिश्ता ड्रेस पहनकर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ |

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया से पार जाकर अपनी स्टेज को स्थिर बनायें | चेक करें आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की ? अगर हाँ, तो बाबा को बताएं | किसी के मोह व आकर्षण में बुद्धि तो नहीं फंसी ? अपने कर्मों का चार्ट बनाएं| तीस मिनट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें | अपने दिल को साफ व हल्का कर सोयें |

18.12.2014

खुदा दोस्त के साथ आत्मा की रूहरूहान

पहली स्मृति

मैं आत्मा हूँ | मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिए स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ |

मैं कौन हूँ ?

मैं बाबा की दोस्त हूँ |मेरा बाबा के साथ सच्चा व समीप का सम्बन्ध है | मैं बाबा से कुछ भी छिपाती हूँ |

मैं किसकी हूँ ?

आत्मा की बाबा से रूहरिहान

मीठे बाबा ! गुड मारनिंग ! मैं अमृतवेले के महत्व को जानकर आपके साथीपन का पूरा फायदा ले रही हूँ | आप खुदा ! मेरे दोस्त हैं ! आप भाग्य विधाता व वरदाता मेरे परममित्र हैं | आप बिना मांगे मेरे झोली वरदानों से भर देते हैं |

बाबा की आत्मा से रूहरिहान

मीठे बच्चे! जागो! मेरे साथ बैठो ! इस समय बापदादा तुम्हारे दिल की बात सुनकर तुम्हें संतुष्ट कर देते हैं | मैं तुम्हारे हर अनुरोध को सुनकर सारी कमी कमज़ोरियाँ को मिटा देता हूँ व तुम्हारे पापों को क्षमा कर देता हूँ | मैं तुम्हारे प्यार व चंचलता दोनों को देखता रहता हूँ | मैं तुम्हारे लिए इस समय खाली बैठा हूँ मैं तुम्हारा सच्चा मित्र हूँ | मैं तुम्हें शान्ति , पवित्रता व सम्पन्नता से भरपूर करने आया हूँ |

बाबा से प्रेरणाएं

अपने मन को सर्व बातों से हटाकर बाबा में लगाएं ! बाबा है साइलेंस का सागर | इस साइलेंस में , मैं बाबा से प्रेरणायुक्त व पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ |

बाबा से वरदान

सूक्ष्म वतन में मीठे बाबा के सामने मेरा फ़रिश्ता स्वरुप स्पष्ट दिखाई दे रहा है | बहुत प्यार व् शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं -

तुम्हें अपने कर्मों का प्रत्यक्ष फल ने केवल भविष्य में मिलना है बल्कि अभी इस संगमयुग से ही मिलने लगता है | तुम निर्मानता व सच्चे दिल से सेवा करते हो , इसलिए तुम ख़ुशी , अतिइन्द्रिय सुख व हल्केपन का प्रत्यक्ष फल हर दिन खाकर अपने जीवन को आनंदमय बनाते हो |

बेहद की सूक्ष्म सेवा (आखिरी के पन्द्रह मिनट - प्रातः 4.45 से 5 बजे तक)

बाबा द्वारा प्राप्त हुए इस वरदान को मैं पुरे संसार को वरदाता बन कर अपने शुभ संकल्पों द्वारा दे रही हूँ | अपनी फ़रिश्ता ड्रेस पहनकर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ |

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया से पार जाकर अपनी स्टेज को स्थिर बनायें | चेक करें आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की ? अगर हाँ, तो बाबा को बताएं | किसी के मोह व आकर्षण में बुद्धि तो नहीं फंसी ? अपने कर्मों का चार्ट बनाएं| तीस मिनट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें | अपने दिल को साफ व हल्का कर सोयें |

19.12.2014

एक बच्चे की मात-पिता से रूहरिहान

पहली स्मृति

आँख खुलते ही संकल्प करें कि मैं आत्मा हूँ। मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिये स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ।

मैं कौन हूँ?

मैं एक आत्मा हूँ और बाबा का बच्ची हूँ। मुझे मात-पिता की पालना बापदादा से मिलती है। बाबा मेरी पालना विशेष ध्यान और स्नेह से करते हैं।

मैं किसकी हूँ?

आत्मा की बाबा से रूहरिहान:

मीठे बाबा - गुड मॉर्निंग। मेरा बाबा! प्यारा बाबा! मीठा बाबा! बाबा! मैने सच्चे दिल से आपको पहचाना है, आप मेरे हो।

बाबा की आत्मा से रूहरिहान:

मीठे बच्चे! जागो! मेरे साथ बैठो। बच्चे! मैं तुम से बेहद प्यार करता हूँ। जैसे सुबह में लौकिक माँ-बाप अपने बच्चे को साफ करके, भोजन खिला के सारे दिन के लिये तैयार करते है। वैसे ही बापदादा तुम बच्चों को अमृत वेले पालना देते हैं। मैं भी तुम बच्चों को सर्व शक्तिओं से भरपूर कर सारे दिन के लिये तैयार करता हूँ। तुमने बाबा को जाना, पहचाना और दिल से कहा "मेरा बाबा"। बापदादा भी दिल से तुम बच्चों को पदमा-पदम गुणा रूहानी प्यार देते हैं।

बाबा से प्रेरणाऐ:

अपने मन को सर्व बातों से हटा कर बाबा में लगाऐं। बाबा है साइलेन्स का सागर। इस साइलेन्स में मैं बाबा से प्रेरणायुक्त और पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ।

बाबा से वरदान:

सूक्ष्म वतन में मीठे बाबा के सामने मेरा फरिश्ता स्वरूप साफ दिखाई दे रहा है। बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं -

संगम युग पर, तुम बच्चों को, प्यार का सागर बाबा थालियाँ भर-भर के स्नेह के हीरे-मोती देता है। इस रूहानी प्यार की शक्ति से पहाड़ जैसी परिस्तिथि भी पानी समान बन जाती है। माया का रूप, चाहे कितना भी विकराल आये, तुम बच्चे एक सेकण्ड में प्यार के सागर में ऐसे समा जाते हो जो माया रूपी शेरनी भी बिल्ली बन बन जाती है।

बेहद की सूक्ष्म सेवा: (आखिरी के पंद्रह मिनिट - प्रातः ४:४५ से ५:०० बजे तक)

बाबा द्वारा इस वरदान को अपने शुभ संकल्पों द्वारा, वरदाता बन, मैं पूरे विश्व को दान दे रही हूँ। अपनी फरिश्ता ड्रेस पहन कर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ।

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया के पार जा कर अपनी स्टेज को स्थिर बनाऐं। चेक करें की आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की? अगर हाँ तो बाबा को बताऐं। किसी के मोह या आकर्षण मे बुद्धि तो नही फंसी? अपने कर्मो का चार्ट बनाऐं। तीस मिनिट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें। अपने दिल को साफ और हल्का कर के सोऐं।

20.12.2014

बापदादा की एक अनन्य बच्ची से रूहरिहान

पहली स्मृति

आँख खुलते ही संकल्प करें कि मैं आत्मा हूँ। मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिये स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ।

मैं कौन हूँ?

मैं एक विशेष आत्मा हूँ। मैं बाबा की हूँ और बाबा की दृष्टि में मैं एक बहुत विशेष और अनन्य बच्ची हूँ।

मैं किसकी हूँ?

आत्मा की बाबा से रूहरिहान:

मीठे बाबा - गुड मॉर्निंग। बाबा! मैं आप के सामने सूक्ष्म वतन में बैठी हूँ। मुझे आपके रूहानी प्यार और पालना की खींच का अनुभव हो रहा है। बाबा! आप के श्रेष्ठ संकल्पों से मैं सूक्ष्म शक्तिओं का अनुभव कर रही हूँ।

बाबा की आत्मा से रूहरिहान:

मीठे बच्चे! जागो! मेरे साथ बैठो। मीठे प्यारे बच्चे! तुम मेरे हो और मैं तुम्हारा हूँ। इस रूहानी सम्बंध की स्मृति तुम आत्मा को वरदानी शक्ति से भरपूर करती है। बापदादा केवल वाणी से ही वरदान नहीं देते बल्कि बापदादा के प्यार भरे संकल्प भी तुम बच्चों को सर्वश्रेष्ठ प्राप्ति का अनुभव कराते हैं। मैं तुम्हारी पालना इन प्यार भरे सूक्ष्म संकल्पों से करता हूँ। मैं सूक्ष्म वतन में बैठ तुम विशेष बच्चों को परमात्म शक्ति से भरपूर कर देता हूँ।

बाबा से प्रेरणाऐ:

अपने मन को सर्व बातों से हटा कर बाबा में लगाऐं। बाबा है साइलेन्स का सागर। इस साइलेन्स में मैं बाबा से प्रेरणायुक्त और पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ।

बाबा से वरदान:

सूक्ष्म वतन में मीठे बाबा के सामने मेरा फरिश्ता स्वरूप साफ दिखाई दे रहा है। बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं -

बापदादा के स्नेह और प्यार से तुम्हारे ज्ञान-योग के पंख भी विकसित जाते हैं। ये स्नेह के पंख तुम्हें एक सेकण्ड में इस स्थूल दुनिया और माया की परछाई से परे ले जाते हैं। ये पंख तुम्हें बेफिक्र स्थिति में उड़ाते हैं जहाँ तुम्हारा पुरुषार्थ एक मनोरंजन बन जाता है और तुम्हारी विजय निश्चित हो जाती है।

बेहद की सूक्ष्म सेवा: (आखिरी के पंद्रह मिनिट - प्रातः ४:४५ से ५:०० बजे तक)

बाबा द्वारा इस वरदान को अपने शुभ संकल्पों द्वारा, वरदाता बन, मैं पूरे विश्व को दान दे रही हूँ। अपनी फरिश्ता ड्रेस पहन कर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ।

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया के पार जा कर अपनी स्टेज को स्थिर बनाऐं। चेक करें की आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की? अगर हाँ तो बाबा को बताऐं। किसी के मोह या आकर्षण मे बुद्धि तो नहीं फंसी? अपने कर्मो का चार्ट बनाऐं। तीस मिनिट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें। अपने दिल को साफ और हल्का कर के सोऐं।

21.12.2014

ब्रह्मा माँ की नूरे रत्न बच्ची से रूहरिहान

पहली स्मृति

आँख खुलते ही संकल्प करें कि मैं आत्मा हूँ। मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिये स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ।

मैं कौन हूँ?

मैं ब्रह्मा बाबा की आँखो का नूर हूँ। मैं बाबा के जीवन की चमक हूँ। ब्रह्मा बाबा मुझे माँ जैसा स्नेह देते है। बाबा मुझे अपने पास आने का विशेष निमंत्रण देते हैं। सूक्ष्म वतन में अपने से मिलन मनाने के लिये बाबा मेरा आवाह्न करते हैं।

मैं किसकी हूँ?

आत्मा की बाबा से रूहरिहान:

मीठे बाबा - गुड मॉर्निंग। अमृत वेले ब्रह्मा माँ मुझे स्नेह से बुलाकर रूहानी शक्तियों से भरपूर करती हैं। मैं हर-एक शक्ति का आवाह्न कर रही हूँ। मुझे ब्रह्मा माँ द्वारा मिली हुई शक्तियों का अनुभव हो रहा है।

बाबा की आत्मा से रूहरिहान:

मीठे बच्चे! जागो! मेरे साथ बैठो। अपनी बुद्धि को शक्तिशाली बनाने के लिये, ये रूहानी यात्रा करो (ड्रिल करो)-

एक क्षण में निराकारी वतन में पहुँच जाओ और दूसरे ही क्षण आकारी वतन में पहुँच जाओ। फिर साकारी दुनिया में वापिस आकर अपने श्रेष्ठ ब्राह्मण जीवन का अनुभव करो। तीनों वतन में बार-बार आने-जाने की ड्रिल करो।

बाबा से प्रेरणाऐ:

अपने मन को सर्व बातों से हटा कर बाबा में लगाऐं। बाबा है साइलेन्स का सागर। इस साइलेन्स में मैं बाबा से प्रेरणायुक्त और पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ।

बाबा से वरदान:

सूक्ष्म वतन में मीठे बाबा के सामने मेरा फरिश्ता स्वरूप साफ दिखाई दे रहा है। बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं -

तुम एक स्वराज्य अधिकारी आत्मा हो जिसके खजाने सदा रूहानी ज्ञान, गुणों और शक्तियों से भरे रहते हैं। तुम अपनी हर स्वांस, हर संकल्प और हर कर्म द्वारा ये खज़ाने स्वभाविक रीति से लुटाते रहते हो। इस लिये तुम अखण्ड सुख-शान्ति और समृद्धि से भरा जीवन पाते हो और नये विश्व के राज्य अधिकारी बन जाते हो।

बेहद की सूक्ष्म सेवा: (आखिरी के पंद्रह मिनिट - प्रातः ४:४५ से ५:०० बजे तक)

बाबा द्वारा इस वरदान को अपने शुभ संकल्पों द्वारा, वरदाता बन, मैं पूरे विश्व को दान दे रही हूँ। अपनी फरिश्ता ड्रेस पहन कर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ।

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया के पार जा कर अपनी स्टेज को स्थिर बनाऐं। चेक करें की आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की? अगर हाँ तो बाबा को बताऐं। किसी के मोह या आकर्षण मे बुद्धि तो नहीं फंसी? अपने कर्मो का चार्ट बनाऐं। तीस मिनिट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें। अपने दिल को साफ और हल्का कर के सोऐं।

22.12.2014

सूर्य की तेजस्वी किरणें और चन्द्रमा की चाँदिनी में मगन एक आत्मा

पहली स्मृति

आँख खुलते ही संकल्प करें कि मैं आत्मा हूँ। मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिये स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ।

मैं कौन हूँ?

मैं आत्मा बाबा की बच्ची हूँ। मैं बाबा के साथ सर्व सम्बंधो के रस की मिठास का अनुभव कर रही हूँ। इन दोनो संकल्पों का नशा मुझे सहजता से सूक्ष्म वतन की ओर उड़ा रहा है।

मैं किसकी हूँ?

आत्मा की बाबा से रूहरिहान:

मीठे बाबा - गुड मॉर्निंग। मैं बाबा की हूँ और मेरे सर्व सम्बन्ध एक मीठे बाबा से ही हैं। ये दोनो ही संकल्प मुझे सदा काल का स्वभाविक और सहज योगी बना रहें हैं।

बाबा की आत्मा से रूहरिहान:

मीठे बच्चे! जागो! मेरे साथ बैठो। तुम बच्चों को पिकनिक पर जाना और हालिडे मनाना बहुत अच्छा लगता है। इसलिये अमृतवेले बापदादा तुम बच्चों को सूक्ष्म वतन में आने का निमंत्रण दे रहे हैं। बच्चे! इस ज्ञान सागर के किनारे आओ और इस बेहद के सागर में समा जाओ। मेरी छत्रछाया में यह सर्व सूक्ष्म खजाने स्वतः ही तुम्हें प्राप्त हैं। बच्चों! आओ और मुझ ज्ञान सूर्य के प्रकाश और ज्ञान चन्द्रमा की शीतल चँदनी में मगन हो जाओ। सब मिलके रूहानी पिकनिक मनाओ और रूहानी खेल में खो जाओ।

बाबा से प्रेरणाऐ:

अपने मन को सर्व बातों से हटा कर बाबा में लगाऐं। बाबा है साइलेन्स का सागर। इस साइलेन्स में मैं बाबा से प्रेरणायुक्त और पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ।

बाबा से वरदान:

सूक्ष्म वतन में मीठे बाबा के सामने मेरा फरिश्ता स्वरूप साफ दिखाई दे रहा है। बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं- अपने स्वमान की हाइयेस्ट सीट पर सेट होकर तुम हीरो ऐक्टर बच्चे सभी विकराल परिस्थितिओं को सहजता से पार कर रहे हो। तुम एक विजयी रत्न और मास्टर सर्व शक्तिमान आत्मा हो, यही स्मृति तुम आत्मा के स्वमान की सीट बन रही है। इस स्वमान की सीट पर सेट होकर तुम्हारी हर आज्ञा का पालन हो रहा है और तुम्हारे हाथों में जादूई परमात्म शक्ति आ रही है।

बेहद की सूक्ष्म सेवा: (आखिरी के पंद्रह मिनिट - प्रातः ४:४५ से ५:०० बजे तक)

बाबा द्वारा इस वरदान को अपने शुभ संकल्पों द्वारा, वरदाता बन, मैं पूरे विश्व को दान दे रही हूँ। अपनी फरिश्ता ड्रेस पहन कर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ।

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया के पार जा कर अपनी स्टेज को स्थिर बनाऐं। चेक करें की आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की? अगर हाँ तो बाबा को बताऐं। किसी के मोह या आकर्षण मे बुद्धि तो नही फंसी? अपने कर्मो का चार्ट बनाऐं। तीस मिनिट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें। अपने दिल को साफ और हल्का कर के सोऐं।

23.12.2014

एक सौभाग्यशाली आत्मा की प्रकृति-पति से रुहरिहान

पहली स्मृति

आँख खुलते ही संकल्प करें कि मैं आत्मा हूँ। मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिये स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ।

मैं कौन हूँ?

मैं ऐसी भाग्यवान आत्मा हूँ जिसे सतयुग में प्रकृति अपने नैचुरल साज़ों से जगाती है लेकिन संगमयुग में प्रकृति के रचयिता, प्रकृति-पति, मीठे-मीठे बाबा, मुझे स्वयं आकर जगाते हैं।

मैं किसकी हूँ?

आत्मा की बाबा से रूहरिहान:

मीठे बाबा - गुड मॉर्निंग। बाबा की मधुर वाणी का संगीत मेरे कानो में गूँज रहा है- "मेरे प्यारे बच्चे, मीठे बच्चे"। बाबा! आपके यह मीठे बोल स्वर्ग की दिव्य झंकारों से भी ज्यादा मधुर हैं। संगम युग पर ये ब्राह्मण जीवन पाकर मैं बहुत सौभाग्यशाली महसूस कर रहीं हूँ।

बाबा की आत्मा से रूहरिहान:

मीठे बच्चे! जागो! मेरे साथ बैठो। यही संगम युग का वह मूल्यवान समय है जब तुम बच्चे स्वयं को श्रेष्ठ संस्कार और प्राप्तियों से भरपूर करते हो और वही तुम बच्चों का प्रत्यक्ष फल भी है। सतयुग के फल

बहुत ही सतोप्रधान, शुद्ध, स्वादिष्ठ और रसीले होतें हैं। लेकिन संगम युग में प्रक्रति-पति स्वयं आकर तुम बच्चों को रूहानी फलों का रस पिला रहे हैं। साथ-साथ बाबा तुम्हे सर्व सम्बंधों की मिठास का अनुभव भी करा रहें हैं। इस रूहानी फलों के रस को पीने से तुम्हें सर्व प्राप्तियों का अनुभव हो रहा है।

बाबा से प्रेरणाऐ:

अपने मन को सर्व बातों से हटा कर बाबा में लगाऐं। बाबा है साइलेन्स का सागर। इस साइलेन्स में मैं बाबा से प्रेरणायुक्त और पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ।

बाबा से वरदान:

सूक्ष्म वतन में मीठे बाबा के सामने मेरा फरिश्ता स्वरूप साफ दिखाई दे रहा है। बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं - यदि बहुत सेवा हो और याद में कमज़ोर हो या फिर याद अच्छी हो और सेवा में कमी हो तब भी पुरुषार्थ की गति तीव्र नहीं हो सकती। इस गुह्य राज़ को अब तुम समझ गये हो इसलिये तुम्हारे याद और सेवा के पंख शक्तिशाली हो गये हैं। इन पंखों द्वारा विश्व गगन में उड़ान भरते तुम प्रेम, पवित्रता और ज्ञान की उँचाइयों को प्राप्त कर रहे हो।

बेहद की सूक्ष्म सेवा: (आखिरी के पंद्रह मिनिट - प्रातः ४:४५ से ५:०० बजे तक)

बाबा द्वारा इस वरदान को अपने शुभ संकल्पों द्वारा, वरदाता बन, मैं पूरे विश्व को दान दे रही हूँ। अपनी फरिश्ता ड्रेस पहन कर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ।

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया के पार जा कर अपनी स्टेज को स्थिर बनाऐं। चेक करें की आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की? अगर हाँ तो बाबा को बताऐं। किसी के मोह या आकर्षण मे बुद्धि तो नहीं फंसी?

24.12.2014

बाबा की गोद की छत्रछाया में बैठी एक बच्ची

पहली स्मृति

आँख खुलते ही संकल्प करें कि मैं आत्मा हूँ। मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिये स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ।

मैं कौन हूँ?

मैं बाबा की बच्ची हूँ। परमपिता परमात्मा मेरे मात-पिता हैं। बाबा के हाथों मेरी पालना हो रही है।

मैं किसकी हूँ?

आत्मा की बाबा से रूहरिहान:

मीठे बाबा - गुड मॉर्निंग। बाबा! सतयुग में मैं रत्न-जड़ित झूलों पर खेलूँगी। पर अभी संगम पर मैं आपकी गोद में खेलने का सौभाग्य प्राप्त कर रही हूँ। यह मेरा श्रेष्ठ समय बिताने का साधन है। बाबा आपकी गोदी में बैठ मुझे अति-इन्द्रिय सुख की भासना हो रही है।

बाबा की आत्मा से रूहरिहान:

मीठे बच्चे! जागो! मेरे साथ बैठो। हाँ! सतयुग में अन्य पवित्र आत्माओं के सानिध्य में तुम रत्न-जड़ित खिलौनों से खेलोगी। परंतु यहाँ तुम मेरे साथ जो चाहे खेल खेल सकती हो। तुम मेरे साथ दोस्त और साथी के रूप में और मात-पिता के रूप में खेल सकती हो। तुम स्वयं बच्चा बन

या फिर मुझे अपना बच्चा बना मेरे साथ खेल सकती हो। ऐसा विशेष और अविनाशी खिलौना तुम्हे पूरे कल्प में कभी भी नहीं मिलेगा।

बाबा से प्रेरणाऐ:

अपने मन को सर्व बातों से हटा कर बाबा में लगाऐं। बाबा है साइलेन्स का सागर। इस साइलेन्स में मैं बाबा से प्रेरणायुक्त और पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ।

बाबा से वरदान:

सूक्ष्म वतन मे मीठे बाबा के सामने मेरा फरिश्ता स्वरूप साफ दिखाई दे रहा है। बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं - दाता ही स्वयं में भरपूर होता है। अब दुनिया वाले बोल से ज्यादा प्रतयक्ष प्रमाण देखना चाहते हैं। तुम गुण मूर्त बनकर सबकी मानो-कामनाओं को पूर्ण कर रहे हो। तुम्हारे नैन विशेषताओं का प्रकाश फैला रहें है। तुम्हारे कर्म औरों को गुणवान बनना सिखा रहें हैं। तुम्हारे बोल गुणों की मिसाल बनते जा रहें हैं और तुम्हारे श्रेष्ठ संकल्पों के पंख अन्य आत्माओं को उनके निजी गुणों के प्रकाश की ओर उड़ान भरने की प्रेरणा दे रहें हैं।

बेहद की सूक्ष्म सेवा: (आखिरी के पंद्रह मिनिट - प्रातः ४:४५ से ५:०० बजे तक)

बाबा द्वारा इस वरदान को अपने शुभ संकल्पों द्वारा, वरदाता बन, मैं पूरे विश्व को दान दे रही हूँ। अपनी फरिश्ता ड्रेस पहन कर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ।

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया के पार जा कर अपनी स्टेज को स्थिर बनाऐं। चेक करें की आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की? अगर हाँ तो बाबा को बताऐं। किसी के मोह या आकर्षण मे बुद्धि तो नही फंसी? अपने कर्मो का चार्ट बनाऐं। तीस मिनिट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें। अपने दिल को साफ और हल्का कर के सोऐं।

25.12.2014

एक हर्षित आत्मा की कल्प वृक्ष के चैतन्य बीज से मुलाकात

पहली स्मृति

आँख खुलते ही संकल्प करें कि मैं आत्मा हूँ। मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिये स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ।

मैं कौन हूँ ?

मैं वो आत्मा हूँ जिसे परम खुशिओं का खजाना मिल गया है। मैने जो पाना था सो पा लिया है बाबा। आपका साथ पाकर मैं आत्मा खुशिओं में झूमती परमानंद का अनुभव कर रहीं हूँ।

मैं किसकी हूँ?

आत्मा की बाबा से रूहरिहान:

मीठे बाबा - गुड मॉर्निंग। मुझे अपने सामने एक मंगल मेला मनने का अहसास हो रहा है। यह सर्व सम्बंधों का मंगल मिलन मैं आपके साथ ही मना रहीं हूँ बाबा। यह मंगल मिलन मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है। ये अधिकार मुझे आपसे सर्व प्राप्तियों की अनुभूति करा रहा है।

बाबा की आत्मा से रूहरिहान:

मीठे बच्चे! जागो! मेरे साथ बैठो। सुबह की शुरुवात होते ही इन खुशी और आनंद के खजानों का उपयोग करो। विचार सागर मंथन कर स्वयं से आनंद-पूर्वक बातें करो। सुबह आँख खुलते ही,

अंतरमन में, विश्व के रचियता, सौगातों के दाता-वरदाता को प्रत्यक्ष करो। बच्चों आओ और मुझ कल्प वृक्ष के इस बीज से मिलन मनाओ। मुझ बीज में सारे कल्प वृक्ष का सार समाया हुआ है।

बाबा से प्रेरणाऐ:

अपने मन को सर्व बातों से हटा कर बाबा में लगाऐं। बाबा है साइलेन्स का सागर। इस साइलेन्स में मैं बाबा से प्रेरणायुक्त और पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ।

बाबा से वरदान:

सूक्ष्म वतन में मीठे बाबा के सामने मेरा फरिश्ता स्वरूप साफ दिखाई दे रहा है। बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं - तुम्हारी फरिश्ते स्वरूप की स्मृति का स्विच ऑन होते ही, एक सेकेंड में, अज्ञान का अंधकार दूर हो रहा है। यह स्विच ऑन करने की कला तुम्हे शक्तिशाली बना रही है। इस शक्तिशाली स्वरूप से तुम सारी सृष्टि की रचना के लिये वरदाता बनते जा रहे हो।

बेहद की सूक्ष्म सेवा: (आखिरी के पंद्रह मिनिट - प्रातः ४:४५ से ५:०० बजे तक)

बाबा द्वारा इस वरदान को अपने शुभ संकल्पों द्वारा, वरदाता बन, मैं पूरे विश्व को दान दे रही हूँ। अपनी फरिश्ता ड्रेस पहन कर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ।

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया के पार जा कर अपनी स्टेज को स्थिर बनाऐं। चेक करें की आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की? अगर हाँ तो बाबा को बताऐं। किसी के मोह या आकर्षण मे बुद्धि तो नही फंसी?

अपने कर्मो का चार्ट बनाऐं। तीस मिनिट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें। अपने दिल को साफ और हल्का कर के सोऐं।

26.12.2014

परमात्मा के सानिध्य में एक सिकिलधि बच्ची

पहली स्मृति

आँख खुलते ही संकल्प करें कि मैं आत्मा हूँ। मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिये स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ।

मैं कौन हूँ ?

में परमात्मा की एक सिकिलधि बच्ची हूँ। मुझे अहसास है कि बाबा को मेरे लिये बहुत प्यार और दुलार है।

मैं किसकी हूँ**?**

आत्मा की बाबा से रूहरिहान:

मीठे बाबा - गुड मॉर्निंग। बाबा! मुझे यह अहसास हुआ है कि सतयुग का राज्य अधिकार देने के लिये आप मुझे ढूंडते हुये यहाँ आये हैं। बाबा आपकी यह शुभ चाहना है कि मैं सतयुगी राज्य अधिकारी बनने के योग्य हो जांऊँ। बाबा! आप मुझसे कभी कुछ नहीं लेते बल्कि आप दाता बनके मुझे सदा भरपूर करते रहते हो।

बाबा की आत्मा से रूहरिहान:

मीठे बच्चे! जागो! मेरे साथ बैठो। मैं परमधाम से आता ही हूँ तुम्हे ढूँढके पढ़ाने के लिये। मैं लंदन, अमरीका या भारत से नहीं बल्कि इस

साकार वतन से परे निराकारी दुनिया से आता हूँ। जरा सोचो मैं कितने दूर देश से तुम्हे ढूँढते हुए पढ़ाने आता हूँ। क्या इससे बड़ी खुशी की कोई और बात है कि तुम्हे स्वयं भगवान पढ़ा रहें हैं? सदा इसी खुशी के नशे में समाये रहो।

बाबा से प्रेरणाऐ:

अपने मन को सर्व बातों से हटा कर बाबा में लगाऐं। बाबा है साइलेन्स का सागर। इस साइलेन्स में मैं बाबा से प्रेरणायुक्त और पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ।

बाबा से वरदान:

सूक्ष्म वतन में मीठे बाबा के सामने मेरा फरिश्ता स्वरूप साफ दिखाई दे रहा है। बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं - हर रोज़ सुबह अमृत वेले यह स्मृति ईमर्ज करो कि मैं आत्मा सर्व रूहानी शक्तियों से भरपूर हूँ। इस अभ्यास ने तुम्हे सदा काल का योगी बना दिया है जिसे परमपिता परमात्मा का वरदानी सहयोग भी प्राप्त है। इस परमात्म सहयोग से तुम माया पर सरल और सुन्दर रीति से निश्चित विजय पा रहे हो।

बेहद की सूक्ष्म सेवा: (आखिरी के पंद्रह मिनिट - प्रातः ४:४५ से ५:०० बजे तक)

बाबा द्वारा इस वरदान को अपने शुभ संकल्पों द्वारा, वरदाता बन, मैं पूरे विश्व को दान दे रही हूँ। अपनी फरिश्ता ड्रेस पहन कर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ।

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया के पार जा कर अपनी स्टेज को स्थिर बनाऐं। चेक करें की आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की? अगर हाँ तो बाबा को बताऐं। किसी के मोह या आकर्षण मे बुद्धि तो नही फंसी? अपने कर्मो का चार्ट बनाऐं। तीस मिनिट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें। अपने दिल को साफ और हल्का कर के सोऐं।

27.12.2014

एक वारिस बच्ची की परमात्मा से रूहरिहान

पहली स्मृति

आँख खुलते ही संकल्प करें कि मैं आत्मा हूँ। मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिये स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ।

मैं कौन हूँ?

मैं परमात्म परिवार की वारिस बच्ची हूँ। मैं स्वयं परमात्मा से भाग्य का वर्सा प्राप्त कर रहीं हूँ।

मैं किसकी हूँ?

आत्मा की बाबा से रूहरिहान:

मीठे बाबा - गुड मॉर्निंग। बाबा! मुझे स्नेह भरे ईश्वरिये ब्राह्मण परिवार के सम्बंध-सम्पर्क में लाने के लिये बहुत बहुत धन्यवाद। बाबा आपने मुझे केवल यह ही ज्ञान नहीं दिया कि मैं एक महान आत्मा हूँ बल्कि यह भी समझाया है कि मैं आपकी बच्ची हूँ। आपके साथ मात-पिता और बच्ची का सम्बंध जोड़ते ही मेरा सारे ईश्वरीय परिवार के साथ एक रूहानी और पवित्र भाई-बहन का सम्बंध जुड़ गया है।

बाबा की आत्मा से रूहरिहान:

मीठे बच्चे! जागो! मेरे साथ बैठो। क्या तुमने कभी स्वप्न में भी सोचा कि तुम्हे मेरा वारिस बनने का सौभाग्य प्राप्त होगा? मेरी सम्पूर्ण

संपत्ती के तुम अधिकारी बन गये हो। मैं तुम बच्चों को माता-पिता और बालक के सम्बंध का अनुभव कराने और तुम्हे तुम्हारा वर्सा देने के लिये इस सृष्टि पर अवतरित हुआ हूँ। तुम्हे यह भाग्य ईश्वरीय परिवार से जुड़ते ही प्राप्त होता है। दुख की दुनिया को छोड़ सुखमई संसार की ओर तुम जा रहे हो। सर्वोच्च ईश्वरिये मरियादाओं का पालन करके तुम मरियादा-पुरुषोत्तम बनते जा रहे हो।

बाबा से प्रेरणाऐ:

अपने मन को सर्व बातों से हटा कर बाबा में लगाऐं। बाबा है साइलेन्स का सागर। इस साइलेन्स में मैं बाबा से प्रेरणायुक्त और पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ।

बाबा से वरदान:

सूक्ष्म वतन में मीठे बाबा के सामने मेरा फरिश्ता स्वरूप साफ दिखाई दे रहा है। बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं - *स्नेह के सागर और स्नेह संपन्न नदियों का मेला होता है तो नदी भी बाप समान मास्टर स्नेह का सागर बन जाती है। तुम मास्टर स्नेह के सागर सर्व को स्नेह भरी पालना के पवित्र धागे से बाँध रही हो और सब आत्माओं की मनोकामनाओं को पूर्ण कर रही हो। तुम सबको अपने पन की भासना का अनुभव करा रही हो और सभी को बाबा के दिल तख्त की ओर ले जा रही हो जहाँ उनकी पालना और विकास हो रहा है।*

बेहद की सूक्ष्म सेवा: (आखिरी के पंद्रह मिनिट - प्रातः ४:४५ से ५:०० बजे तक)

बाबा द्वारा इस वरदान को अपने शुभ संकल्पों द्वारा, वरदाता बन, मैं पूरे विश्व को दान दे रही हूँ। अपनी फरिश्ता ड्रेस पहन कर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ।

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया के पार जा कर अपनी स्टेज को स्थिर बनाऐं। चेक करें की आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की? अगर हाँ तो बाबा को बताऐं। किसी के मोह या आकर्षण मे बुद्धि तो नही फंसी? अपने कर्मो का चार्ट बनाऐं। तीस मिनिट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें। अपने दिल को साफ और हल्का कर के सोऐं।

28.12.2014

दिल तख़्तनशी बच्ची की "मेरे बाबा" से रूहरिहान

पहली स्मृति

आँख खुलते ही संकल्प करें कि मैं आत्मा हूँ। मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिये स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ।

मैं कौन हूँ ?

मैं ईश्वरीय परिवार की बच्ची हूँ और बाबा के दिल तख़्त पर बैठी हूँ। मैं इस रूहानी परिवार की सदस्य हूँ इसलिये बाबा के दिल में बैठी हूँ।

मैं किसकी हूँ ?

आत्मा की बाबा से रूहरिहान:

मीठे बाबा - गुड मॉर्निंग। मेरा बाबा! मुझे ये आभास है की आपके कितने ही बच्चे क्यों न हों, हम सब आपके दिल में समाये हुये हैं। मुझे किसी से रीस करने की आवशकता नहीं क्योंकि हम सभी का आपके दिल तख़्त पर बराबर का अधिकार है। बाबा आपका दिल इतना विशाल हैं कि हम सब उसमे समाये हुये हैं और उसमें औरों को भी समाने की बेहद शमता है।

बाबा की आत्मा से रूहरिहान:

मीठे बच्चे! जागो! मेरे साथ बैठो। दिल से मेरा बाबा कहते ही मैं तुमको अपने दिलतख्त पर बैठा देता हूँ। यह दिलतख्त तुम्हे स्वराज्य अधिकारी

बना रहा है और तुम राजा बनते जा रहे हो। यह तख़्त तुम्हारे शासन करने के लिये है। तुम बच्चे अपने राजतिलक और राजसी तख़्त मिलने का उत्सव मना रहे हो। इस तख़्त की स्मृति से तुम बच्चे सर्व विघ्नो को सहजता से पार करते जा रहे हो।

बाबा से प्रेरणाऐ:

अपने मन को सर्व बातों से हटा कर बाबा में लगाऐं। बाबा है साइलेन्स का सागर। इस साइलेन्स में मैं बाबा से प्रेरणायुक्त और पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ।

बाबा से वरदान:

सूक्ष्म वतन में मीठे बाबा के सामने मेरा फरिश्ता स्वरूप साफ दिखाई दे रहा है। बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं - *संगम युग पर तुम बच्चों का गायन है -"सुख के सागर की संतान, सुखदेव"। तुम्हारी नम्रता से चारों ओर रूहानी खुशिओं का प्रकाश फैल रहा है। यह प्रकाश तुम्हारे संपर्क की सर्व आत्माओं की आंतरिक सुंदरता को प्रकाशित कर रहा है और तुम सर्व रचना की प्रिय बनती जा रही हो।*

बेहद की सूक्ष्म सेवा: (आखिरी के पंद्रह मिनिट - प्रातः ४:४५ से ५:०० बजे तक)

बाबा द्वारा इस वरदान को अपने शुभ संकल्पों द्वारा, वरदाता बन, मैं पूरे विश्व को दान दे रही हूँ। अपनी फरिश्ता ड्रेस पहन कर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ।

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया के पार जा कर अपनी स्टेज को स्थिर बनाऐं। चेक करें की आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की? अगर हाँ तो बाबा को बताऐं। किसी के मोह या आकर्षण मे बुद्धि तो नही

फंसी? अपने कर्मो का चार्ट बनाऐं। तीस मिनिट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें। अपने दिल को साफ और हल्का कर के सोऐं।

29.12.2014

एक रॉयल बच्ची कि सृष्टि के रचयिता से रुहरिहान

पहली स्मृति

आँख खुलते ही संकल्प करें कि मैं आत्मा हूँ। मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिये स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ।

मैं कौन हूँ ?

मैं एक रॉयल बच्ची हूँ। मैं पवित्रता की स्मृति का तिलक, विश्व कल्याण की ज़ुम्मेवारी का ताज, और बापदादा के दिलतख्त की स्मृति को याद कर रहीं हूँ।

मैं किसकी हूँ**?**

आत्मा की बाबा से रूहरिहान:

बाबा आप सृष्टि के रचयिता हैं। मैं आपके साथ एक गहरे सम्बंध का अनुभव कर रही हूँ। बाबा! आपकी बच्ची होने के नाते इस संसार में मेरे लिये कोई भी वस्तु अप्राप्त नहीं है।

मीठे बाबा - गुड मॉर्निंग।

बाबा की आत्मा से रूहरिहान:

मीठे बच्चे! जागो! मेरे साथ बैठो। यही वो संपूर्ण प्राप्तिओं का जीवन है जो तुम्हे विश्व रचयिता के ईश्वरीय परिवार का सदस्य बनने से मिलता है। याद करो कि तुम कौन हो और अपने आपको इस विस्मृति के खेल

से मुक्त करो। तुम अपने निजी स्वरूप को स्मृति में लाओ और अधिकारी आत्मा बन जाओ।

बाबा से प्रेरणाऐ:

अपने मन को सर्व बातों से हटा कर बाबा में लगाऐं। बाबा है साइलेन्स का सागर। इस साइलेन्स में मैं बाबा से प्रेरणायुक्त और पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ।

बाबा से वरदान:

सूक्ष्म वतन में मीठे बाबा के सामने मेरा फरिश्ता स्वरूप साफ दिखाई दे रहा है। बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहें हैं - तुम वो आत्मा हो जिसे खुशियों का अविनाशी खजाना मिल रहा है। तुम्हारे "क्यों" के गीत अब खत्म हो गये हैं और हर दिन तुम "वाह मेरा बाबा", "वाह मेरा भाग्य" और "वाह मेरा स्वीट परिवार" के ये गीत गा रही हो।

बेहद की सूक्ष्म सेवा: (आखिरी के पंद्रह मिनिट - प्रातः ४:४५ से ५:०० बजे तक)

बाबा द्वारा इस वरदान को अपने शुभ संकल्पों द्वारा, वरदाता बन, मैं पूरे विश्व को दान दे रही हूँ। अपनी फरिश्ता ड्रेस पहन कर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ।

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया के पार जा कर अपनी स्टेज को स्थिर बनाऐं। चेक करें की आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की? अगर हाँ तो बाबा को बताऐं। किसी के मोह या आकर्षण मे बुद्धि तो नही फंसी? अपने कर्मो का चार्ट बनाऐं। तीस मिनिट के योग द्वारा किसी भी गलत

कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें। अपने दिल को साफ और हल्का कर के सोऐं।

30.12.2014

एक लकी सितारे की मीठे बाबा से रूहरिहान

पहली स्मृति

आँख खुलते ही संकल्प करें कि मैं आत्मा हूँ। मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिये स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ।

मैं कौन हूँ?

मैं एक लकी सितारा हूँ। भगवान स्वयं मेरा गुणगान करते हैं। मैं सम्पूर्ण विश्व को प्रकाशित करने के लिये एक चमकता ध्रुव तारा बन गयी हूँ।

मैं किसकी हूँ?

आत्मा की बाबा से रूहरिहान:

मीठे बाबा - गुड मॉर्निंग। बाबा! आपके सानिध्य में मैं अति इन्द्रिय सुख का अनुभव कर रहीं हूँ। आपके साथ से मुझ टिमटिमाते सितारे की चमक बढ़ती जा रही है और मैं एक लकी सितारा बनती जा रही हूँ।

बाबा की आत्मा से रूहरिहान:

मीठे बच्चे! जागो! मेरे साथ बैठो। लकी सितारा बनने की खुशी का अनुभव करने से तुम्हारे सारे दुख दूर हो रहें हैं। अमृत वेले तुम अपने आपको अपने दिल के आईने में देखो। इस समय अपने चमकते हुये भाग्य और भविष्य की ऊँची उड़ान को बार-बार इस आईने में देखो।

बाबा से प्रेरणाऐ:

अपने मन को सर्व बातों से हटा कर बाबा में लगाऐं। बाबा है साइलेन्स का सागर। इस साइलेन्स में मैं बाबा से प्रेरणायुक्त और पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ।

बाबा से वरदान:

सूक्ष्म वतन में मीठे बाबा के सामने मेरा फरिश्ता स्वरूप साफ दिखाई दे रहा है। बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहें हैं - तुम्हारी सच्चे दिल से की गयी सेवा की चमक परमात्म प्यार से अति उज्ज्वल होती जा रही है। इसी पवित्रता के कारण तुम कर्मो के आकर्षण और बंधनो से परे जाकर, विश्व मंच पर चमत्कार दिखा रही हो।

बेहद की सूक्ष्म सेवा: (आखिरी के पंद्रह मिनिट - प्रातः ४:४५ से ५:०० बजे तक)

बाबा द्वारा इस वरदान को अपने शुभ संकल्पों द्वारा, वरदाता बन, मैं पूरे विश्व को दान दे रही हूँ। अपनी फरिश्ता ड्रेस पहन कर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ।

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया के पार जा कर अपनी स्टेज को स्थिर बनाऐं। चेक करें की आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की? अगर हाँ तो बाबा को बताऐं। किसी के मोह या आकर्षण मे बुद्धि तो नही फंसी? अपने कर्मो का चार्ट बनाऐं। तीस मिनिट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें। अपने दिल को साफ और हल्का कर के सोऐं।

31.12.2014

एक संपन्न आत्मा की एक जौहरी से रूहरिहान

पहली स्मृति

आँख खुलते ही संकल्प करें कि मैं आत्मा हूँ। मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिये स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ।

मैं कौन हूँ ?

मैं एक संपन्न आत्मा हूँ। मेरा खजाना ज्ञान, गुणों और शक्तियों के बहुमूल्य रत्नों से भरपूर है।

मैं किसकी हूँ ?

आत्मा की बाबा से रूहरिहान:

मीठे बाबा - गुड मॉर्निंग। बाबा! मैने आप ज्ञान सागर जौहरी के साथ सौदा पक्का किया है। बाबा! आप मुझे थालियाँ भर-भर कर ज्ञान, गुण और शक्तियों के रत्न दे रहे हैं। इन रत्नों के साथ खेलते हुए मेरी पालना हो रही है।

बाबा की आत्मा से रूहरिहान:

मीठे बच्चे! जागो! मेरे साथ बैठो। जितना-जितना तुम इन रत्नों को अपने कार्य-व्यवहार में इस्तेमाल करते जा रहे हो, उतने ही यह रत्न वृद्धि को पाते जा रहें हैं। जो आत्मायें इन रत्नों के साथ सदा व्यस्त रहती हैं वो ही सबसे ज्यादा संपन्न हैं। बच्चों! अपना बहुमूल्य

समय व्यर्थ नहीं गवाँओं। किसी भी व्यर्थ बात को ना देखो, ना सुनो, ना सोचो, ना बोलो।

बाबा से प्रेरणाऐ:

अपने मन को सर्व बातों से हटा कर बाबा में लगाऐं। बाबा है साइलेन्स का सागर। इस साइलेन्स में मैं बाबा से प्रेरणायुक्त और पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ।

बाबा से वरदान:

सूक्ष्म वतन में मीठे बाबा के सामने मेरा फरिश्ता स्वरूप साफ दिखाई दे रहा है। बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहें हैं - तुम्हारी चेतना पवित्र और शुद्ध होती जा रही है। सत्यता के प्रकाश और बाबा के स्नेह से इसकी चमक बहुत बढ़ती जा रही है। तुम्हारी पवित्रता की सुंदरता से तुम्हारे भविष्य का एक ऐसा चित्र बन रहा है जो तुम्हारी कल्पना से भी परे है।

बेहद की सूक्ष्म सेवा: (आखिरी के पंद्रह मिनिट - प्रातः ४:४५ से ५:०० बजे तक)

बाबा द्वारा इस वरदान को अपने शुभ संकल्पों द्वारा, वरदाता बन, मैं पूरे विश्व को दान दे रही हूँ। अपनी फरिश्ता ड्रेस पहन कर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ।

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया के पार जा कर अपनी स्टेज को स्थिर बनाऐं। चेक करें की आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की? अगर हाँ तो बाबा को बताऐं। किसी के मोह या आकर्षण मे बुद्धि तो नही फंसी? अपने कर्मो का चार्ट बनाऐं। तीस मिनिट के योग द्वारा किसी भी

गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें। अपने दिल को साफ और हल्का कर के सोऐं।

01.01.2015

एक ब्राह्मण आत्मा की सागर बाप से रूहरिहान

पहली स्मृति

मैं आत्मा हूँ। मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिये स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ।

मैं कौन हूँ?

मैं एक ब्राह्मण आत्मा हूँ। मेरा जन्म ब्रह्मा मुख कमल से हुआ है। ऐसा संकल्प करते ही मेरे मन में स्नेह की लहरें फ़ैल रही हैं।

मैं किसकी हूँ?

आत्मा की बाबा से रूहरिहान:

मीठे बाबा - गुड मॉर्निंग। बाबा! मुझे आपसे अलौकिक वर्सा प्राप्त हो गया है। इस ब्राह्मण जीवन में मेरी तो बस एक ही आस है कि मैं आप सागर में समाकर सागर समान बन जाऊं।

बाबा की आत्मा से रूहरिहान:

मीठे बच्चे! जागो! मेरे साथ बैठो। जैसे जैसे ज्ञान सूर्य की लाइट की चमक तेज होती जाएगी, वैसे वैसे तुम्हारे अन्दर स्नेह की लहरें पैदा होंगी, जिसे तुम अनुभव करोगे। अमृतवेले से ही यह कार्य ज्ञान सूर्य ज्ञान मुरली के द्वारा प्रारम्भ कर देते हैं। ज्ञान, स्नेह, सुख, शांति व शक्ति की सर्व प्रकार की लहरें इस अमृतवेले के विशेष समय पर ही उत्पन्न होती हैं।

बाबा से प्रेरणाऐ:

अपने मन को सर्व बातों से हटा कर बाबा में लगाऐं। बाबा है साइलेन्स का सागर। इस साइलेन्स में मैं बाबा से प्रेरणायुक्त और पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ।

बाबा से वरदान:

सूक्ष्म वतन में मीठे बाबा के सामने मेरा फरिश्ता स्वरूप साफ दिखाई दे रहा है। बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं -

तुम अपने असली स्वरुप को सदा स्मृति में रख दिव्यता की रॉयल्टी से चमकते रहते हो। इस कारण तुम्हारा संग पारस का काम करता है व तुम्हारे संपर्क में आने वाली हर आत्मा गोल्डन लाइट से चमक उठती है।

बेहद की सूक्ष्म सेवा: (आखिरी के पंद्रह मिनिट - प्रातः ४:४५ से ५:०० बजे तक)

बाबा द्वारा इस वरदान को अपने शुभ संकल्पों द्वारा, वरदाता बन, मैं पूरे विश्व को दान दे रही हूँ। अपनी फरिश्ता ड्रेस पहन कर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ।

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया के पार जा कर अपनी स्टेज को स्थिर बनाऐं। चेक करें की आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की? अगर हाँ तो बाबा को बताऐं। किसी के मोह या आकर्षण मे बुद्धि तो नहीं फंसी? अपने कर्मो का चार्ट बनाऐं। तीस मिनिट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें। अपने दिल को साफ और हल्का कर के सोऐं।

02.01.2015

एक परवाने की रूहानी शमा से रूहरिहान

पहली स्मृति

आँख खुलते ही संकल्प करें कि मैं आत्मा हूँ। मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिये स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ।

मैं कौन हूँ?

मैं एक अविनाशी परवाना हूँ। मैं सिर्फ रूहानी शमा को ही देखता हूँ व उनके साथ ही वार्तालाप करता हूँ । मेरी स्मृति में तो सदा "नन बट वन" ही रहता है |

मैं किसकी हूँ?

आत्मा की बाबा से रूहरिहान:

मीठे बाबा - गुड मॉर्निंग। बाबा! आप शमा अविनाशी हैं और मैं परवाना भी अविनाशी हूँ ।आपके प्रति मेरा स्नेह भी अविनाशी है |

बाबा की आत्मा से रूहरिहान:

मीठे बच्चे! जागो! मेरे साथ बैठो। आज रूहानी शमा अविनाशी स्नेह लेकर तुम परवाने से मिलने के लिए इस महफ़िल में आये हैं । जो इस स्नेह को पहचानकर जिम्मेवारियों को निभाते हैं , उन्हें सर्व प्राप्तियां स्वतः होने लगती हैं | इस रूहानी प्यार का अनुभव स्नेही सम्बन्ध निभाने की जिम्मेवारी को भी सहज बना देता है |

बाबा से प्रेरणाऐ:

अपने मन को सर्व बातों से हटा कर बाबा में लगाऐं। बाबा है साइलेन्स का सागर। इस साइलेन्स में मैं बाबा से प्रेरणायुक्त और पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ।

बाबा से वरदान:

सूक्ष्म वतन में मीठे बाबा के सामने मेरा फरिश्ता स्वरूप साफ दिखाई दे रहा है। बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं -

बापदादा तुम समझ गए हो कि सारे कल्प में ऐसे सुहावने दिन आने वाले नहीं हैं । इस संगम युग का गोल्डन चांस लेकर तुम बाप द्वारा मिले हर खजाने व हर सेकंड को कार्य में लगाते हो | इसलिए, तुम समर्थीवान व सदा विजयी बनते हो |

बेहद की सूक्ष्म सेवा: (आखिरी के पंद्रह मिनिट - प्रातः ४:४५ से ५:०० बजे तक)

बाबा द्वारा इस वरदान को अपने शुभ संकल्पों द्वारा, वरदाता बन, मैं पूरे विश्व को दान दे रही हूँ। अपनी फरिश्ता ड्रेस पहन कर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ।

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया के पार जा कर अपनी स्टेज को स्थिर बनाऐं। चेक करें की आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की? अगर हाँ तो बाबा को बताऐं। किसी के मोह या आकर्षण मे बुद्धि तो नहीं फंसी? अपने कर्मो का चार्ट बनाऐं। तीस मिनिट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें। अपने दिल को साफ और हल्का कर के सोऐं।

03.01.2015

अति लाडले बच्चे की अति लाडले बाप से रूहरिहान

पहली स्मृति

आँख खुलते ही संकल्प करें कि मैं आत्मा हूँ। मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिये स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ।

मैं कौन हूँ?

मैं एक अति लाडली संतान हूँ। बाबा का मेरे प्रति पवित्र व गहरा स्नेह है | इस रूहानी प्यार को स्मृति में लाते ही मेरा दिल हल्का व मन शांत हो जाता है |

मैं किसकी हूँ?

आत्मा की बाबा से रूहरिहान:

मीठे बाबा - गुड मॉर्निंग। "मेरा बाबा , मीठा बाबा, प्यारा बाबा", यह गीत सुनते ही मैं सुजाग हो जाती हूँ | मैंने ये समझ लिया है कि इस अविनाशी गीत को निरंतर गाकर मैं सदा आगे बढ़ती रहूंगी |

बाबा की आत्मा से रूहरिहान:

मीठे बच्चे! जागो! मेरे साथ बैठो। मीठे लाडले , सिकीलधे बच्चे ! बाबा के प्यार की मीठी धुन सदा तुम्हारे कानों में गूंजती रहे | तुम सदा बाबा की महिमा व श्रेष्ठ जीवन के गीत गाते रहो | ईश्वरीय ज्ञान व सर्वप्राप्तियों के गीत भी सदा तुम्हारे दिल में बजते रहें | तुम स्वयं को सदा ये मधुर संगीत सुनाकर व्यर्थ से मुक्त हो जाओ |

बाबा से प्रेरणाऐ:

अपने मन को सर्व बातों से हटा कर बाबा में लगाऐं। बाबा है साइलेन्स का सागर। इस साइलेन्स में मैं बाबा से प्रेरणायुक्त और पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ।

बाबा से वरदान:

सूक्ष्म वतन में मीठे बाबा के सामने मेरा फरिश्ता स्वरूप साफ दिखाई दे रहा है। बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं -

कोई भी विघ्न आने पर रूहानी जादूगर बनकर बाप का व अपने फ़रिश्ते स्वरुप का आवाहन करते हो | इस युक्ति से तुम माया के प्रभाव में न आकर सदा ऊँची उड़ान भरते रहते हो |

बेहद की सूक्ष्म सेवा: (आखिरी के पंद्रह मिनिट - प्रातः ४:४५ से ५:०० बजे तक)

बाबा द्वारा इस वरदान को अपने शुभ संकल्पों द्वारा, वरदाता बन, मैं पूरे विश्व को दान दे रही हूँ। अपनी फरिश्ता ड्रेस पहन कर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ।

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया के पार जा कर अपनी स्टेज को स्थिर बनाऐं। चेक करें की आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की? अगर हाँ तो बाबा को बताऐं। किसी के मोह या आकर्षण मे बुद्धि तो नहीं फंसी? अपने कर्मो का चार्ट बनाऐं। तीस मिनिट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें। अपने दिल को साफ और हल्का कर के सोऐं।

04.01.2015

सर्व सम्बन्ध निभाने वाले परमात्मा से मायाजीत आत्मा की रूहरिहान

पहली स्मृति

आँख खुलते ही संकल्प करें कि मैं आत्मा हूँ। मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिये स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ।

मैं कौन हूँ?

मैं मायाजीत आत्मा हूँ। मैं बाबा को सदा आँखों में बसाकर माया पर विजय प्राप्त करती हूँ | मैं अपने कानों से सदा बाबा को ही सुनती हूँ | मेरे पैर बाबा को फॉलो करने के लिए ही तो हैं | मैं सदा बाबा के हर कदम पर कदम रखकर चलती हूँ |

मैं किसकी हूँ?

आत्मा की बाबा से रूहरिहान:

मीठे बाबा - गुड मॉर्निंग। मैं सदा आपको ही देखती हूँ, आपको ही सुनती हूँ, आपके साथ ही सोती हूँ व आपके साथ ही खाती हूँ | बाबा ! जब मैं सेवा करती हूँ, तो अन्य आत्माओं को आपका परिचय देकर

आपसे मिलने की प्रेरणा देती हूँ | ये अव्यभिचारी समर्पण मुझे मायाजीत बनाता है |

बाबा की आत्मा से रूहरिहान:

मीठे बच्चे! जागो! मेरे साथ बैठो। मैं कभी तुम्हारा पिता बनता हूँ, कभी शिक्षक बनकर तुम्हे पढ़ाता हूँ, तो कभी तुम्हारा मित्र भी बन जाता हूँ | बाबा तुम्हें सर्व सम्बन्धों का अनुभव कराते हैं | सिर्फ बाबा ही ये सारे पार्ट बजा सकते हैं और वो भी केवल इस संगम युग पर | तुम बाबा से जिस भी सम्बन्ध से मिलना चाहो, मिल सकते हो और अपना ऊँचा भाग्य बना सकते हो |

बाबा से प्रेरणाएं:

अपने मन को सर्व बातों से हटा कर बाबा में लगाऐं। बाबा है साइलेन्स का सागर। इस साइलेन्स में मैं बाबा से प्रेरणायुक्त और पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ।

बाबा से वरदान:

सूक्ष्म वतन में मीठे बाबा के सामने मेरा फरिश्ता स्वरूप साफ दिखाई दे रहा है। बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं -

पुरानी दुनिया का त्याग कर तुम्हारे हाथ ईश्वरीय खज़ानों से भर गए हैं | सम्पर्क में आने वाली हर आत्मा को तुम इन खज़ानों से भरपूर कर देते हो | इससे तुम्हारे विश्व महाराजन दातापन के संस्कार इमर्ज हो जाते हैं |

बेहद की सूक्ष्म सेवा: (आखिरी के पंद्रह मिनिट - प्रातः ४:४५ से ५:०० बजे तक)

बाबा द्वारा इस वरदान को अपने शुभ संकल्पों द्वारा, वरदाता बन, मैं पूरे विश्व को दान दे रही हूँ। अपनी फरिश्ता ड्रेस पहन कर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ।

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया के पार जा कर अपनी स्टेज को स्थिर बनाऐं। चेक करें की आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की? अगर हाँ तो बाबा को बताऐं। किसी के मोह या आकर्षण मे बुद्धि तो नहीं फंसी? अपने कर्मो का चार्ट बनाऐं। तीस मिनिट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें। अपने दिल को साफ और हल्का कर के सोऐं।

05.01.2015

सच्ची सीता की परमात्मा राम से रूहरिहान

पहली स्मृति

आँख खुलते ही संकल्प करें कि मैं आत्मा हूँ। मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिये स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ।

मैं कौन हूँ?

मैं सच्ची सच्ची सीता हूँ। मैं हर कदम श्रीमत प्रमाण चलती हूँ | साथ-साथ मैं सर्व मर्यादाओं का पालन भी करती हूँ |

मैं किसकी हूँ?

आत्मा की बाबा से रूहरिहान:

मीठे बाबा - गुड मॉर्निंग। मैं इस पुरानी दुनिया में रहते अपनी लौकिक जिम्मेवारियां निभाते हुए सदा इस स्मृति में रहती हूँ कि मैं आपकी सच्ची सच्ची सीता हूँ | मेरी हर श्वांस में आप राम की ही याद रहती है |

बाबा की आत्मा से रूहरिहान:

मीठे बच्चे! जागो! मेरे साथ बैठो। एक परमात्मा ही राम है और तुम ही सच्ची सच्ची सीता हो | सच्ची सीता बनकर तुम्हें सदा बाप की याद में रहकर हर श्रीमत को निरंतर फॉलो करना है | तुम्हारा एक भी कदम बाबा के डायरेक्शन के विरुद्ध न हो | जैसे रेल के पहिये पटरी पर सेफ रहते हैं , ठीक उसी प्रकार तुम भी अमृतवेले के समय स्वयं को सेट कर सेफ हो जाओ | अगर तुम्हारा अमृतवेले का फाउंडेशन मजबूत होगा, तो तुम्हें बापदादा का सहयोग मिलता रहेगा |

बाबा से प्रेरणाएं:

अपने मन को सर्व बातों से हटा कर बाबा में लगाऐं। बाबा है साइलेन्स का सागर। इस साइलेन्स में मैं बाबा से प्रेरणायुक्त और पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ।

बाबा से वरदान:

सूक्ष्म वतन में मीठे बाबा के सामने मेरा फरिश्ता स्वरूप साफ दिखाई दे रहा है। बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं -

तुम आत्माओं की ज्योति जगाकर उन्हें आगे बढ़ाते हो व उन्हें ऊँचा उड़ाकर असीम सुख पाते हो / तुम सदा दूसरों को आगे रख इच्छा मात्रम् अविद्या की स्मृति में रहते हो / इस कारण तुमने सबका जीत लिया है व विश्व कल्याणकारी बन गए हो /

बेहद की सूक्ष्म सेवा: (आखिरी के पंद्रह मिनिट - प्रातः ४:४५ से ५:०० बजे तक)

बाबा द्वारा इस वरदान को अपने शुभ संकल्पों द्वारा, वरदाता बन, मैं पूरे विश्व को दान दे रही हूँ। अपनी फरिश्ता ड्रेस पहन कर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ।

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया के पार जा कर अपनी स्टेज को स्थिर बनाऐं। चेक करें की आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की? अगर हाँ तो बाबा को बताऐं। किसी के मोह या आकर्षण मे बुद्धि तो नहीं फंसी? अपने कर्मो का चार्ट बनाऐं। तीस मिनिट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें। अपने दिल को साफ और हल्का कर के सोऐं।

06.01.2015

संतुष्टमणि आत्मा की दिव्य दर्पणदाता से रूहरिहान

पहली स्मृति

आँख खुलते ही संकल्प करें कि मैं आत्मा हूँ। मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिये स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ।

मैं कौन हूँ?

मैं संतुष्टमणि आत्मा हूँ। मुझे उस एक से सर्व प्राप्तियां हो गयी हैं | मैं इच्छा मात्रम् अविद्या की स्थिति में रहती हूँ | ये स्मृति मुझे पूर्णतः संतुष्ट बना देती है |

मैं किसकी हूँ?

आत्मा की बाबा से रूहरिहान:

मीठे बाबा ! - गुड मॉर्निंग! जन्म-जन्मान्तर से अपनी इच्छाओं को पूर्ण करने के लिए मैंने मनुष्य आत्माओं का सहारा लिया | दर-दर की ठोकरें खाकर मेरी बुद्धि कमज़ोर हो गयी | बाबा! इस जीवन में आपने मुझे सर्वप्राप्तियां कर दीं | सिर्फ आप ही मुझे मंजिल तक पहुंचा सकते हैं, मीठे बाबा!

बाबा की आत्मा से रूहरिहान:

मीठे बच्चे! जागो! जब कभी भी तुम असंतुष्ट हो जाओ , तो स्वयं को बाप द्वारा मिले हुए अलौकिक दर्पण में देखो | इस रूहानी दर्पण को सदा अपने पास रख बार-बार अपना मुखड़ा देखने की आदत डालो | जैसे स्थूल रूप में कुछ बिगड़ जाए , तो दर्पण के सामने जाकर उसे ठीक किया जा सकता है , उसी प्रकार ज्ञान रूपी दर्पण में अपने आत्मिक स्वरुप को ठीक करो | दिव्या गुणों के दर्पण में स्वयं को देखकर देह के अभिमान से छूट जाओ | ये पुरुषार्थ तुम्हें सदा के लिए संतुष्ट बना देगा |

बाबा से प्रेरणाएं:

अपने मन को सर्व बातों से हटा कर बाबा में लगाऐं। बाबा है साइलेन्स का सागर। इस साइलेन्स में मैं बाबा से प्रेरणायुक्त और पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ।

बाबा से वरदान:

सूक्ष्म वतन में मीठे बाबा के सामने मेरा फरिश्ता स्वरूप साफ दिखाई दे रहा है। बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं -

तुम्हारा प्रकाशमय स्वरुप होपलेस में भी हॉप पैदा कर देता है व दिलशिकस्त आत्माओं में हिम्मत भर देता है | तुम्हारी लाइट आत्माओं

की कमज़ोरियों को मिटाकर उनकी छुपी हुई शक्तियों को प्रज्जवलित कर देती है।

बेहद की सूक्ष्म सेवा: (आखिरी के पंद्रह मिनिट - प्रातः ४:४५ से ५:०० बजे तक)

बाबा द्वारा इस वरदान को अपने शुभ संकल्पों द्वारा, वरदाता बन, मैं पूरे विश्व को दान दे रही हूँ। अपनी फरिश्ता ड्रेस पहन कर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ।

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया के पार जा कर अपनी स्टेज को स्थिर बनाऐं। चेक करें की आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की? अगर हाँ तो बाबा को बताऐं। किसी के मोह या आकर्षण मे बुद्धि तो नहीं फंसी? अपने कर्मो का चार्ट बनाऐं। तीस मिनिट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें। अपने दिल को साफ और हल्का कर के सोऐं।

07.01.2015

संतुष्टमणि आत्मा की दिव्य दर्पणदाता से रूहरिहान

पहली स्मृति

आँख खुलते ही संकल्प करें कि मैं आत्मा हूँ। मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिये स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ।

मैं कौन हूँ?

मैं आत्मा सदा बेहद में रहती हूँ। मैंने सम्पूर्ण विश्व के कल्याण के लिए बेहद की जिम्मेवारी ली है | इस बेहद की जिम्मेवारी को निभाकर मैं ऊँची स्थिति को पा रही हूँ |

मैं किसकी हूँ?

आत्मा की बाबा से रूहरिहान:

मीठे बाबा ! - गुड मॉर्निंग! मैंने अनुभव किया है कि जब मैं संकल्प करती हूँ कि "मैं गृहस्थी हूँ" और "मेरे ये सम्बन्धी हैं", तो मैं मोहमाया के जाल में फंस जाती हूँ | लेकिन स्मृति परिवर्तन से मैं इस बंधन को तोड़ रही हूँ | मुझे तो बस यही स्मृति रखनी है कि "मैं सेवा के मैदान में खड़ी हूँ" और मुझे सारे विश्व का कल्याण करना है"

बाबा की आत्मा से रूहरिहान:

मीठे बच्चे! जागो! मेरे साथ बैठो | अपनी अलौकिक जिम्मेवारियों को सदा याद रखो | अगर तुम अपना समय व संकल्प हद की जिम्मेवारियां निभाने में लगा दोगे , तुम अपनी वास्तविक जिम्मेवारियों पर ध्यान नहीं दे पाओगे | हद में रहने से तुम आत्माओं का कल्याण करने के बजाय और ही उन्हें डिस्टर्ब करोगे | तुम्हें अलौकिक कार्य न करते देख आत्माएं अलौकिक बाप से दूर हो जाएँगी | साथ ही हद की जिम्मेवारियां तुम्हें भोज अनुभव होंगी |

बाबा से प्रेरणाएं:

अपने मन को सर्व बातों से हटा कर बाबा में लगाऐं। बाबा है साइलेन्स का सागर। इस साइलेन्स में मैं बाबा से प्रेरणायुक्त और पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ।

बाबा से वरदान:

सूक्ष्म वतन में मीठे बाबा के सामने मेरा फरिश्ता स्वरूप साफ दिखाई दे रहा है। बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं -

ख़ुशी की बातों के स्टॉक व ईश्वरीय संकल्पों के द्वारा तुम व्यर्थ कर्मों के स्टॉक को खत्म कर देते हो / इस कारण तुम्हारी रहानियत, वायुमंडल को शक्तिशाली बना रही है व आत्माओं को परमात्मा की करेंट का अनुभव करा रही है /

बेहद की सूक्ष्म सेवा: (आखिरी के पंद्रह मिनिट - प्रातः ४:४५ से ५:०० बजे तक)

बाबा द्वारा इस वरदान को अपने शुभ संकल्पों द्वारा, वरदाता बन, मैं पूरे विश्व को दान दे रही हूँ। अपनी फरिश्ता ड्रेस पहन कर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ।

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया के पार जा कर अपनी स्टेज को स्थिर बनाऐं। चेक करें की आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की? अगर हाँ तो बाबा को बताऐं। किसी के मोह या आकर्षण मे बुद्धि तो नहीं फंसी? अपने कर्मो का चार्ट बनाऐं। तीस मिनिट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें। अपने दिल को साफ और हल्का कर के सोऐं।

08.01.2015

मोहजीत आत्मा की कर्मातीत ब्रह्मा बाप से रूहरिहान

पहली स्मृति

आँख खुलते ही संकल्प करें कि मैं आत्मा हूँ। मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिये स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ।

मैं कौन हूँ?

मैं मोहजीत आत्मा हूँ। मैं मोह पर जीत पाने के लिए सारा दिन अपने पांचों स्वरूपों की स्मृति में रहती हूँ | १. मैं आपकी संतान हूँ | २. मैं गॉडली स्टूडेंट हूँ | ३. मैं रूहानी यात्री हूँ | ४. मैं रूहानी योद्धा हूँ | ५. मैं खुदाई खिदमदगार आत्मा हूँ |

मैं किसकी हूँ?

आत्मा की बाबा से रूहरिहान:

मीठे बाबा ! - गुड मॉर्निंग! मैंने विश्व कल्याण की जिम्मेवारी निभाने की प्रतिज्ञा की है | गोल्डन दुनिया लाने के लिए मैं आपकी मददगार बनूँगी | इस जिम्मेवारी को अच्छी तरह पूरा करने के लिए मुझे मोह को जीतना होगा व स्मृति स्वरुप बनना होगा |

बाबा की आत्मा से रूहरिहान:

मीठे बच्चे! जागो! मेरे साथ बैठो | अमृतवेला उठते ही तुम बाबा से रूहरिहान करो व अपने पाँचों स्वरूपों का अनुभव करो - ईश्वरीय सन्तान , गॉडली स्टूडेंट , रूहानी यात्रा , रूहानी योद्धा व खुदाई खिदमदगार | जब तुम इन पाँचों ही स्वरूपों से बाबा से मिलोगे , तो तुम कर्मबंधनों से छूट जाओगे | सारा दिन भिन्न-भिन्न कार्य करते तुम इन पाँचों स्वरूपों को स्मृति में रखो | इस तरह स्मृति स्वरुप बनकर तुम मोह पर जीत पा सकोगे व ब्रह्मा बाप समान कर्मातीत बन जाओगे |

बाबा से प्रेरणाएं:

अपने मन को सर्व बातों से हटा कर बाबा में लगाऐं। बाबा है साइलेन्स का सागर। इस साइलेन्स में मैं बाबा से प्रेरणायुक्त और पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ।

बाबा से वरदान:

सूक्ष्म वतन में मीठे बाबा के सामने मेरा फरिश्ता स्वरूप साफ दिखाई दे रहा है। बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं -

तुम्हारे जादुई नैन हर आत्मा की विशेषता और सुन्दरता को ही देखते हैं | तुम्हारी इस रूहानी दृष्टि से संगठन एकमत बनता जा रहा है और हर आत्मा के दिल में अपनेपन की भावना पैदा हो रही है |

बेहद की सूक्ष्म सेवा: (आखिरी के पंद्रह मिनिट - प्रातः ४:४५ से ५:०० बजे तक)

बाबा द्वारा इस वरदान को अपने शुभ संकल्पों द्वारा, वरदाता बन, मैं पूरे विश्व को दान दे रही हूँ। अपनी फरिश्ता ड्रेस पहन कर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ।

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया के पार जा कर अपनी स्टेज को स्थिर बनाऐं। चेक करें की आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की? अगर हाँ तो बाबा को बताऐं। किसी के मोह या आकर्षण मे बुद्धि तो नहीं फंसी? अपने कर्मो का चार्ट बनाऐं। तीस मिनिट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें। अपने दिल को साफ और हल्का कर के सोऐं।

09.01.2015

डबल लाइट फ़रिश्ते की रूहानी प्रशिक्षक से रूहरिहान

पहली स्मृति

आँख खुलते ही संकल्प करें कि मैं आत्मा हूँ। मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिये स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ।

मैं कौन हूँ?

मैं डबल लाइट फ़रिश्ता हूँ। मैंने अपनी सर्व जिम्मेवारियों का भोझ बाबा को अर्पण कर दिया है | सूक्ष्म वतन में मेरा लाइट का शरीर डांस कर रहा है |

मैं किसकी हूँ?

आत्मा की बाबा से रूहरिहान:

मीठे बाबा ! - गुड मॉर्निंग! आपके सामने बैठते ही मुझे अपने तीन स्वरुप याद आ रहे हैं | मैं आपकी संतान हूँ , मैं मालिक हूँ , मैं फ़रिश्ता हूँ | आपकी संतान बनकर मैंने सर्व भोझ आपके हवाले कर दिए हैं | अपनी सूक्ष्म कर्मेन्द्रियों की मालिक बनकर मैं सदा

अव्यभिचारी याद में रहती हूँ | फ़रिश्ता बनकर मैं सदा वाणी से परे की स्टेज में रहता हूँ | पुरानी दुनिया अब मुझे आकर्षित नहीं करती |

बाबा की आत्मा से रूहरिहान:

मीठे बच्चे! जागो! मेरे साथ बैठो | सर्व जिम्मेवारियां बाप को देकर तुम सदा खुश रहो | दिन-रात तुम फ़रिश्ता डांस करो अर्थात मन का डांस करो | देह का भान अर्थात मनुष्य | आत्म-अभिमानी अर्थात फ़रिश्ता | अमृतवेले उठते ही अपने फ़रिश्ते स्वरुप की स्मृति में रह ख़ुशी का डांस करो | ये ख़ुशी हर डिस्टर्ब करने वाली परिस्थिति को खत्म कर देगी |

बाबा से प्रेरणाएं:

अपने मन को सर्व बातों से हटा कर बाबा में लगाऐं। बाबा है साइलेन्स का सागर। इस साइलेन्स में मैं बाबा से प्रेरणायुक्त और पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ।

बाबा से वरदान:

सूक्ष्म वतन में मीठे बाबा के सामने मेरा फरिश्ता स्वरूप साफ दिखाई दे रहा है। बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं -

तुम दाता के बच्चे हो जिसके हाथ , दिल व मन ईश्वरीय प्राप्तियों से सम्पन्न हैं | इस कारण तुम तृप्त आत्मा बन गए हो व दाता के बच्चे का स्टैम्प तुम आत्मा पर सदा के लिए लग गया है |

बेहद की सूक्ष्म सेवा: (आखिरी के पंद्रह मिनिट - प्रातः ४:४५ से ५:०० बजे तक)

बाबा द्वारा इस वरदान को अपने शुभ संकल्पों द्वारा, वरदाता बन, मैं पूरे विश्व को दान दे रही हूँ। अपनी फरिश्ता ड्रेस पहन कर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ।

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया के पार जा कर अपनी स्टेज को स्थिर बनाऐं। चेक करें की आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की? अगर हाँ तो बाबा को बताऐं। किसी के मोह या आकर्षण मे बुद्धि तो नहीं फंसी? अपने कर्मो का चार्ट बनाऐं। तीस मिनिट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें। अपने दिल को साफ और हल्का कर के सोऐं।

10.01.2015

अंतर्मुखी आत्मा की सद्गुणों के सागर से रूहरिहान

पहली स्मृति

आँख खुलते ही संकल्प करें कि मैं आत्मा हूँ। मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिये स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ।

मैं कौन हूँ?

मैं अन्तर्मुखी आत्मा हूँ। अन्तर्मुखता की शक्ति की गहराई में जाकर नए नए अनुभव कर रही हूँ | मुझे शांति , प्रेम, पवित्रता व आनंद का अनुभव हो रहा है |

मैं किसकी हूँ?

आत्मा की बाबा से रूहरिहान:

मीठे बाबा ! - गुड मॉर्निंग! जब मैं एकांत में रहती हूँ , तो मुझे नए नए अनुभव होते हैं | मेरी स्मृति में सिर्फ आपकी ही गहरी याद समाई हुई है | जब मेरा मन एकाग्र हो सिर्फ आप में ही लग जाता है, तब मुझे नए नए अनुभव होने लगते हैं | इन अनुभवों को मैं अन्य आत्माओं को सुनाकर उन्हें प्रेरणा देती हूँ |

बाबा की आत्मा से रूहरिहान:

मीठे बच्चे! जागो! मेरे साथ बैठो | जब तुम किसी भी गुण का चिंतन करो जैसे कि शांति का , तो ये संकल्प करो की "मैं शांत स्वरुप आत्मा हूँ," और हर बार शांति को नए नए तरीके से अनुभव करो | जब तुम ये संकल्प करो कि "मैं आत्मा शांतिधाम निवासी हूँ," तो उस अनुभव में खो जाओ | अगर तुम ये संकल्प करते हो कि "मैं सतयुगी दुनिया की शांत स्वरुप आत्मा हूँ," तो वह अनुभव दूसरा होगा | भिन्न-भिन्न संकल्पों का अनुभव भी भिन्न-भिन्न होगा | शांतिधाम की शांति का अनुभव सतयुगी दुनिया की शांति से भिन्न होगा |

बाबा से प्रेरणाएं:

अपने मन को सर्व बातों से हटा कर बाबा में लगाऐं। बाबा है साइलेन्स का सागर। इस साइलेन्स में मैं बाबा से प्रेरणायुक्त और पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ।

बाबा से वरदान:

सूक्ष्म वतन में मीठे बाबा के सामने मेरा फरिश्ता स्वरूप साफ दिखाई दे रहा है। बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं -

तुम साक्षी दृष्टा बन हर पल एक साथी के साथ रहते हो | इस कारण संगम युग पर तुम अपने भाग्य के गीत गाकर सदा ख़ुशी मेंझूमते रहते हो |

बेहद की सूक्ष्म सेवा: (आखिरी के पंद्रह मिनिट - प्रातः ४:४५ से ५:०० बजे तक)

बाबा द्वारा इस वरदान को अपने शुभ संकल्पों द्वारा, वरदाता बन, मैं पूरे विश्व को दान दे रही हूँ। अपनी फरिश्ता ड्रेस पहन कर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ।

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया के पार जा कर अपनी स्टेज को स्थिर बनाऐं। चेक करें की आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की? अगर हाँ तो बाबा को बताऐं। किसी के मोह या आकर्षण मे बुद्धि तो नहीं फंसी? अपने कर्मो का चार्ट बनाऐं। तीस मिनिट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें। अपने दिल को साफ और हल्का कर के सोऐं।

11.01.2015

उमंग-उत्साह भरी आत्मा की दिव्य बुद्धि दाता से रूहरिहान

पहली स्मृति

आँख खुलते ही संकल्प करें कि मैं आत्मा हूँ। मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिये स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ।

मैं कौन हूँ?

हर दिन मैं ज्ञान के नये नये पॉइंट्स का चिंतन करती हूँ। मैं आत्म-अभिमानी होकर आपकी याद में रहती हूँ। इससे मेरे अंदर उमंग-उत्साह बना रहता है। मैं अमृत वेले उठ कर बड़ी बेसब्री से बाबा से नई नई चीज़ें लेने के लिये तैयार बैठी हूँ

मैं किसकी हूँ?

आत्मा की बाबा से रूहरिहान:

मीठे बाबा - गुड मॉर्निंग। बाबा! अमृत वेले मुझे ऐसा लगता है जैसे कि मैं रूहानी पिकनिक मनाने के लिये जा रही हूँ। इससे मेरे अंदर बहुत उमंग-उत्साह भर जाता है और आलस गायब हो जाता है । कभी मैं

स्वयं को परमधाम में देखती, तो कभी स्वर्ग में और कभी मैं मधुबन में आपसे मिलन मेला मनाने आ जाती।

बाबा की आत्मा से रूहरिहान:

मीठे बच्चे! जागो! मेरे साथ बैठो। बापदादा तुम्हें दिव्य बुद्धि की गिफ्ट देकर श्रेष्ठ बना रहें हैं। हर एक को यह गिफ्ट मिलती है लेकिन सब इसका एक जैसा प्रयोग नहीं करते। दिव्य बुद्धि बहुत शक्तिशाली है व सहज ही उपलब्ध है। दिव्य बुद्धि के विमान द्वारा तुम तीनों लोकों (स्थूल वतन, मूलवतन, व सूक्ष्मवतन) की सैर कर सकते हो। स्मृति का स्विच ऑन करते ही तुम एक सेकेंड में जहां जाना चाहो, वहां पहुंच सकते हो। इस स्विच के द्वारा तुम किसी भी दुनिया का अनुभव जितना समय चाहो कर सकते हो। इस गिफ्ट का सबसे अच्छा प्रयोग तुम अमृत वेले पर कर सकते हो।

बाबा से प्रेरणाएं:

अपने मन को सर्व बातों से हटा कर बाबा में लगाऐं। बाबा है साइलेन्स का सागर। इस साइलेन्स में मैं बाबा से प्रेरणायुक्त और पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ।

बाबा से वरदान:

सूक्ष्म वतन में मीठे बाबा के सामने मेरा फरिश्ता स्वरूप साफ दिखाई दे रहा है। बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं -

तुम एक विशेष पार्टधारी आत्मा हो, जिसका श्रेष्ठ खज़ाना पूरा कल्प चलता है। तुमने ब्राह्मण जन्म लेते ही सम्पूर्ण पवित्रता को धारण किया है व सबका कल्याण किया है, इसलिये तुम इस श्रेष्ठ भाग्य के अधिकारी हो।

बेहद की सूक्ष्म सेवा: (आखिरी के पंद्रह मिनिट - प्रातः ४:४५ से ५:०० बजे तक)

बाबा द्वारा इस वरदान को अपने शुभ संकल्पों द्वारा, वरदाता बन, मैं पूरे विश्व को दान दे रही हूँ। अपनी फरिश्ता ड्रेस पहन कर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ।

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया के पार जा कर अपनी स्टेज को स्थिर बनाऐं। चेक करें कि आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की? अगर हाँ, तो बाबा को बताऐं। किसी के मोह या आकर्षण मे बुद्धि तो नहीं फंसी? अपने कर्मों का चार्ट बनायें । तीस मिनिट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें। अपने दिल को साफ और हल्का कर के सोऐं।

12.01.2015

दिव्य नेत्र वाली आत्मा की उड़ान प्रशिक्षक से रूहरिहान

पहली स्मृति

आँख खुलते ही संकल्प करें कि मैं आत्मा हूँ। मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिये स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ।

मैं कौन हूँ?

बाबा से मुझे दिव्य चक्षु की सौगात मिली है। इन नेत्रों से मैं मनमत, परमत और श्रीमत के अंतर को स्पष्ट तरीके से देख सकती हूँ। मैं स्वयं को सतोप्रधान बनता हुआ देख रही हूँ। साथ ही आत्मा पर रजो व तमो के अंश मात्र को भी मैं पहचान पा रही हूँ।

मैं किसकी हूँ?

आत्मा की बाबा से रूहरिहान:

मीठे बाबा - गुड मॉर्निंग। बाबा! ये रुहानी दिव्य नेत्र की गिफ्ट देने के लिये आपका बहुत बहुत शुक्रिया। इन आँखों से मैं माया को दूर से ही पहचान लेती हूँ। मैं अब जान गयी हूँ कि किसी भी बात में कठिनाई अनुभव होना माना माया का दिव्य नेत्र पर प्रभाव पड़ना।

बाबा की आत्मा से रूहरिहान:

मीठे बच्चे! जागो! मेरे साथ बैठो। ये दिव्य नेत्र की गिफ्ट तुम बच्चों के लिये एक रूहानी विमान है। इसका एक बटन दबाते ही, एक सेकेंड में, तुम अपनी इच्छा अनुसार कहीं भी पहुँच सकते हो। यह स्विच पवित्र सकल्पों का है। श्रेष्ठ संकल्पों की स्मृति से यह स्विच ऑन करो और तुरन्त एकरस अवस्था में स्थित हो जाओ। अगर तुम्हारे दिव्य नेत्रों पर माया की ज़रा सी भी परछाई पड़ी, तो तुम्हारा विमान ठीक रीति से नहीं उड़ सकेगा । यदि तुम अपनी स्वमान की सीट पर सेट न होकर हलचल में आ जाते हो, तो तुम अपनी मंज़िल पर नहीं पहुंच सकोगे।

बाबा से प्रेरणाएं:

अपने मन को सर्व बातों से हटा कर बाबा मे लगाऐं। बाबा है साइलेन्स का सागर। इस साइलेन्स मे मैं बाबा से प्रेरणायुक्त और पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ।

बाबा से वरदान:

सूक्ष्म वतन मे मीठे बाबा के सामने मेरा फरिश्ता स्वरूप साफ दिखाई दे रहा है। बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं -

तुम "मेरा" शब्द का त्याग कर बंधनों के पिंजड़ों को तोड़कर उनसे मुक्त हो रही हो। तुम पिंजड़े की मैना से फरिश्ता बन गयी हो और स्नेह, प्रकाश व स्वतंत्रता के पंख लगाकर परमात्म गगन में ऊँची उड़ान भर रही हो।

बेहद की सूक्ष्म सेवा: (आखिरी के पंद्रह मिनिट - प्रातः ४:४५ से ५:०० बजे तक)

बाबा द्वारा इस वरदान को अपने शुभ संकल्पों द्वारा, वरदाता बन, मैं पूरे विश्व को दान दे रही हूँ। अपनी फरिश्ता ड्रेस पहन कर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ।

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया के पार जा कर अपनी स्टेज को स्थिर बनाऐं। चेक करें की आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की? अगर हाँ तो बाबा को बताऐं। किसी के मोह या आकर्षण मे बुद्धि तो नही फंसी? अपने कर्मो का चार्ट बनाऐं। तीस मिनिट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें। अपने दिल को साफ और हल्का कर के सोऐं।

13.01.2015

बेहद सेवाधारी आत्मा की विश्व कल्याणकारी बाप से रूहरिहान

पहली स्मृति

आँख खुलते ही संकल्प करें कि मैं आत्मा हूँ। मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिये स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ।

मैं कौन हूँ?

मैं बेहद सेवाधारी आत्मा हूँ। मैं सारे विश्व को ज्ञान का प्रकाश व शक्तियों का बल दे रही हूँ।

मैं किसकी हूँ?

आत्मा की बाबा से रूहरिहान:

मीठे बाबा - गुड मॉर्निंग। यदि मैं अपने हिम्मत के पैर को बहुत ध्यान से कार्य में लगाऊंगी, तो माया की परछाई मेरे नज़दीक भी नहीं आ सकेगी। इस पुरुषार्थ से मैं ज्ञान रत्नों का अनुभव बहुत आसानी से कर सकूँगी व सर्व शक्तियाँ मेरे अधिकार में होंगी।

बाबा की आत्मा से रूहरिहान:

मीठे बच्चे! जागो! मेरे साथ बैठो। तुम सदा रूहानियत की ऊँची स्थिति में स्थित रहो। बेहद के सेवाधारी बनकर विश्व की आत्माओं में सहयोग वा शुभ भावना की लहर फैलाओ। तुम ये याद रखो की तुम विश्व कल्याणकारी बाप की सन्तान हो। इसलिये तुम्हें तो दिव्य गुणों का स्वरूप बनना है। इसकी गिफ्ट सारे संसार को दो।

बाबा से प्रेरणाएं:

अपने मन को सर्व बातों से हटा कर बाबा मे लगाऐं। बाबा है साइलेन्स का सागर। इस साइलेन्स मे मैं बाबा से प्रेरणायुक्त और पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ।

बाबा से वरदान:

सूक्ष्म वतन मे मीठे बाबा के सामने मेरा फरिश्ता स्वरूप साफ दिखाई दे रहा है। बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं -

तुम एक सम्पूर्ण योगी हो, जो आपदाओं के दृश्य को भी मनोरंजन के रूप में देखते हो। तुम सदा मुस्कराकर "वाह वाह" के गीत गाते रहते हो। तुम ये जान गये हो की दुख के बाद सुख के दिन आने ही हैं।

बेहद की सूक्ष्म सेवा: (आखिरी के पंद्रह मिनिट - प्रातः ४:४५ से ५:०० बजे तक)

बाबा द्वारा इस वरदान को अपने शुभ संकल्पों द्वारा, वरदाता बन, मैं पूरे विश्व को दान दे रही हूँ। अपनी फरिश्ता ड्रेस पहन कर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ।

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया के पार जा कर अपनी स्टेज को स्थिर बनाऐं। चेक करें की आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की? अगर हाँ तो बाबा को बताऐं। किसी के मोह या आकर्षण मे बुद्धि तो नहीं फंसी? अपने कर्मो का चार्ट बनाऐं। तीस मिनिट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें। अपने दिल को साफ और हल्का कर के सोऐं।

14.01.2015

इन्द्रसभा में एक फरिश्ता

पहली स्मृति

आँख खुलते ही संकल्प करें कि मैं आत्मा हूँ। मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिये स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ।

मैं कौन हूँ?

मैं परिस्तान की इन्द्रसभा में एक फरिश्ता हूँ। मैं फरिश्ता आत्मिक ज्योति के पंख लगाकर सदा उड़ता रहता हूँ।

मैं किसकी हूँ?

आत्मा की बाबा से रूहरिहान:

मीठे बाबा - गुड मॉर्निंग। बाबा अपने जो ज्ञान और योग के पंख दिये हैं, उससे मुझे बल मिलता है। मुझे पता पड़ गया है की ऊँचा उड़ने के लिये मुझे पुरानी दुनिया व देह के सम्बंधियों के बंधनों से परे जाना होगा।

बाबा की आत्मा से रूहरिहान:

मीठे बच्चे! जागो! मेरे साथ बैठो। ये साधारण सभा नहीं है, ये तो है फरिश्तों की अनोखी महफ़िल। मैं ज्ञान की वर्षा करता हूँ, जिससे कांटों का जंगल फूलों का बगीचा बन जाता है। इन्द्र के राज्य में सिर्फ फरिश्ते ही निवास करते हैं। फरिश्ते देह अभिमान की बदबू को मीठे बगीचे की खुशबू में परिवर्तित कर देते हैं। क्या तुम एक सेकेंड में अपने ओरिजिनल स्वरूप में स्थित होकर इस कांटों के जंगल से उपराम अपने वास्तविक घर में पहुंच सकते हो? एक सेकेंड में स्वीट होम में जाने की रूहानी ड्रिल का अभ्यास करो।

बाबा से प्रेरणाएं:

अपने मन को सर्व बातों से हटा कर बाबा मे लगाऐं। बाबा है साइलेन्स का सागर। इस साइलेन्स मे मैं बाबा से प्रेरणायुक्त और पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ।

बाबा से वरदान:

सूक्ष्म वतन मे मीठे बाबा के सामने मेरा फरिश्ता स्वरूप साफ दिखाई दे रहा है। बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं -

तुम स्व कल्याण द्वारा परमात्म लाइट की चमक से जगमगाते रहते हो। इस कारण तुम दिलशिकस्त आत्माओं की बीमारी को दूर कर देते हो। तुम सैंपल बनकर आत्माओं के अंदर निश्चय का पानी डालते हो, जिससे उन्हें ऊँचा उड़ने की प्रेरणा मिलती है।

बेहद की सूक्ष्म सेवा: (आखिरी के पंद्रह मिनिट - प्रातः ४:४५ से ५:०० बजे तक)

बाबा द्वारा इस वरदान को अपने शुभ संकल्पों द्वारा, वरदाता बन, मैं पूरे विश्व को दान दे रही हूँ। अपनी फरिश्ता ड्रेस पहन कर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ।

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया के पार जा कर अपनी स्टेज को स्थिर बनाऐं। चेक करें की आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की? अगर हाँ तो बाबा को बताऐं। किसी के मोह या आकर्षण मे बुद्धि तो नहीं फंसी? अपने कर्मो का चार्ट बनाऐं। तीस मिनिट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें। अपने दिल को साफ और हल्का कर के सोऐं।

15.01.2015

चुस्त आत्मा की पर्सनल ट्रेनर से रूहरिहान

पहली स्मृति

आँख खुलते ही संकल्प करें कि मैं आत्मा हूँ। मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिये स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ।

मैं कौन हूँ?

मैं चुस्त आत्मा हूँ। मैं मन और बुद्धि की एक्सर्साइज़ करती हूँ। एक पल में मैं अशरीरी हो जाती हूँ और दूसरे ही पल मैं बापदादा के सामने बैठकर मीठी मीठी रूहरिहान करती हूँ। मैं अपनी बुद्धि को नियंत्रित संकल्पों का भोजन खिलाती हूँ। मैं इस बात की संभाल रखती हूँ कि मैं व्यर्थ संकल्पों का अशुद्ध भोजन न खाऊँ।

मैं किसकी हूँ?

आत्मा की बाबा से रूहरिहान:

मीठे बाबा - गुड मॉर्निंग। मेरी बुद्धि बहुत हल्की हो गई है क्योंकि मैंने अपने सारे बोझ आपको दे दिये हैं। मेरा इस बात पर विशेष ध्यान रहता है कि मैं नींद से ज्यादा आपको प्यार करूँ। मीठे बाबा! आपकी महिमा

को याद करते हुए मुझे आपसे सर्व शक्तियों का अनुभव हो रहा है। मेरा ये लक्ष्य है कि मैं विस्तार में न जाकर, केवल, बीज रूप अवस्था का ही अनुभव करूं।

बाबा की आत्मा से रूहरिहान:

मीठे बच्चे! जागो! मेरे साथ बैठो। मेडिटेशन में बैठने का उद्देश्य है - बाबा के साथ मीठी मीठी रूह रिहान करना। ऐसा नहीं कि तुम इस समय अपनी व दूसरों की कंप्लेन कि फाइल लेकर बैठ जाओ। पर्सनल ट्रेनर के रूप में बाबा तुम्हें यही राय देते हैं कि अपनी बुद्धि के वजन को कम करो व हल्के हो जाओ। स्थूल बातों से अपनी बुद्धि को निकाल सूक्ष्म में चले जाओ। व्यर्थ संकल्पों का भोजन मत खाओ। इसके लिये स्व के ऊपर नियंत्रण करना ज़रूरी है, जिससे तुम बुद्धि को जब चाहो, जहां चाहो, जितना समय चाहो, लगा सको।

बाबा से प्रेरणाएं:

अपने मन को सर्व बातों से हटा कर बाबा मे लगाऐं। बाबा है साइलेन्स का सागर। इस साइलेन्स मे मैं बाबा से प्रेरणायुक्त और पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ।

बाबा से वरदान:

सूक्ष्म वतन मे मीठे बाबा के सामने मेरा फरिश्ता स्वरूप साफ दिखाई दे रहा है। बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं -

जैसे वॉटरप्रूफ कपड़े में पानी की एक बूंद भी टिक नहीं सकती, वैसे ही परमात्म प्रेम ने तुम्हें माया प्रूफ बना दिया है। इस अविनाशी व निस्वार्थ प्रेम को माया का कोई भी आकर्षण आकर्षित नहीं कर सकता।

बेहद की सूक्ष्म सेवा: (आखिरी के पंद्रह मिनिट - प्रातः ४:४५ से ५:०० बजे तक)

बाबा द्वारा इस वरदान को अपने शुभ संकल्पों द्वारा, वरदाता बन, मैं पूरे विश्व को दान दे रही हूँ। अपनी फरिश्ता ड्रेस पहन कर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ।

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया के पार जा कर अपनी स्टेज को स्थिर बनाऐं। चेक करें की आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की? अगर हाँ तो बाबा को बताऐं। किसी के मोह या आकर्षण मे बुद्धि तो नहीं फंसी? अपने कर्मो का चार्ट बनाऐं। तीस मिनिट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें। अपने दिल को साफ और हल्का कर के सोऐं।

16.01.2015

एक ट्रस्टी की प्रभु व स्वामी से रूहरिहान

पहली स्मृति

आँख खुलते ही संकल्प करें कि मैं आत्मा हूँ। मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिये स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ।

मैं कौन हूँ?

मैं ट्रस्टी आत्मा हूँ। बाबा ने मुझे तन, मन, धन व समय विशेष कार्य में लगाने के लिये लोन पर दिया है। मैं तो बस एक ट्रस्टी हूँ। मेरा तो कुछ भी नहीं है।

मैं किसकी हूँ?

आत्मा की बाबा से रूहरिहान:

मीठे बाबा - गुड मॉर्निंग। आप मुझे जहां बिठातें हैं, वहां मैं आत्मा बैठ जाती हूँ, जैसा कहते हैं, वैसा ही कर्म मैं करती हूँ। बाबा, मेरा आपसे मीठा रूहानी सम्बंध है, जिसमें कोई भी कर्मों के हिसाबकिताब का बंधन नहीं है। मैं तो स्वतंत्र हूँ। आप तो मेरे प्रभु व स्वामी हो आपसे तो मुझे

सदा प्रेरणा मिलती है। मेरा हर कर्म आपकी दिव्य प्रेरणाओं से ही तो होता है।

बाबा की आत्मा से रूहरिहान:

मीठे बच्चे! जागो! मेरे साथ बैठो। जब तुम अपना सब कुछ बाबा को दे देते हो, तो तुम जीते जी मर जाते हो और तुम्हारा पुनर्जन्म हो जाता है। तुम्हारे इस दिव्य नये जन्म की तुलना किसी भी दूसरे जन्म से नहीं की जा सकती। इस जन्म में तुम पूरे आज़ाद हो व किसी के भी अधीन नहीं हो। जब तुम ये स्मृति रखते हो कि ये तन, ये सेवा, ये गुण, ये शक्तियाँ तुम्हें लोन में मिली हैं, तो एक सेकेंड में तुम उड़ सकते हो। मीठे बच्चे! तुम भिन्न-भिन्न प्रकार के जाल मत बिछाओ । जैसे कि "ये तो कार्मिक बंधन हैं, ये तो पुरानी दुनिया के बंधन हैं, ये फलाने ग्रूप में रहने का बंधन है"। तुम स्वयं ही जाल बिछाकर उसमें फँस जाते हो और फिर उससे छूटने के लिये बाबा को पुकारते हो कि "बाबा! मुझे छुडाओ, मुझे छुडाओ"। बाबा तो कहते हैं कि तुम तो हो ही आज़ाद - छोड़ो तो छूटे।

बाबा से प्रेरणाएं:

अपने मन को सर्व बातों से हटा कर बाबा मे लगाऐं। बाबा है साइलेन्स का सागर। इस साइलेन्स मे मैं बाबा से प्रेरणायुक्त और पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ।

बाबा से वरदान:

सूक्ष्म वतन मे मीठे बाबा के सामने मेरा फरिश्ता स्वरूप साफ दिखाई दे रहा है। बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं -

याद के जादू मंत्र से तुम जो चाहे वो पा सकते हो। इस मंत्र को सदा स्मृति में रख तुम सर्व सिद्धियाँ प्राप्त करते हो और अपना सुन्दर भविष्य, जिसकी तुम कल्पना भी नहीं कर सकते, ऐसे भविष्य के अधिकारी बन जाते हो।

बेहद की सूक्ष्म सेवा: (आखिरी के पंद्रह मिनिट - प्रातः ४:४५ से ५:०० बजे तक)

बाबा द्वारा इस वरदान को अपने शुभ संकल्पों द्वारा, वरदाता बन, मैं पूरे विश्व को दान दे रही हूँ। अपनी फरिश्ता ड्रेस पहन कर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ।

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया के पार जा कर अपनी स्टेज को स्थिर बनाऐं। चेक करें की आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की? अगर हाँ तो बाबा को बताऐं। किसी के मोह या आकर्षण मे बुद्धि तो नही फंसी? अपने कर्मो का चार्ट बनाऐं। तीस मिनिट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें। अपने दिल को साफ और हल्का कर के सोऐं।

17.01.2015

होली हंस आत्मा की पावर हॉउस से रूहरिहान

पहली स्मृति

आँख खुलते ही संकल्प करें कि मैं आत्मा हूँ। मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिये स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ।

मैं कौन हूँ?

मैं होली हंस आत्मा हूँ। ज्ञान के रतन और प्यार के मोती मेरा भोजन है। मैं पावर हॉउस से कनेक्ट होकर परखने की शक्ति से स्वयं को भरपूर कर रही हूँ।

मैं किसकी हूँ?

आत्मा की बाबा से रूहरिहान:

मीठे बाबा - गुड मॉर्निंग। मैंने ये जान लिया है कि माया बड़ी चालाक है। ख़ासकर अमृतवेले, माया मुझे आपसे दूर करने की कोशिश करती है। माया मुझे बहानेबाजी के खेल खिलाकर ललचाती है। साथ-साथ वो, अलबेलेपन और आलस्य के भिन्न-भिन्न रूपों से चाल चलती है। मुझे अब समझ आ गया है कि माया कैसे आती है। इसलिये, मैं माया से दूर

ही रहती हूँ। आपके संग का गोल्डन चान्स पाकर मुझे सब कुछ मिल गया है, बाबा।

बाबा की आत्मा से रूहरिहान:

मीठे बच्चे! जागो! मेरे साथ बैठो। परखने की शक्ति से तुम्हारी जीवन यात्रा आसान हो जाती है। तुम ये ध्यान रखो कि माया तुमसे तुम्हारा सहज योगी जीवन छीन न ले। माया तुम्हारा भोलापन वा भगवान द्वारा मिली हुई परखने की शक्ति रूपी सौगात चुरा न ले। माया से अपनी संभाल करो। परखने की शक्ति परमात्मा की गिफ़्ट है, जो तुम्हारे लिये छत्रछाया है। माया की परछाई पड़ने पर छतरी उड़ जाती है और सिर्फ छाया रह जाती है। लेकिन पावर हॉउस द्वारा मिली हुई परखने की शक्ति से न ही दुख होता है और न ही धोखा खा सकते हैं। जिसके पास परखने की शक्ति है, वे विपरीत परिस्थितियों में भी सदा सेफ रहते हैं। अमृतवेले के समय चेक करो कि तुम्हारी परखने की शक्ति ठीक तरह से काम कर रही है या नहीं। इसे अमृतवेले पर सुधार लो, ताकि तुम्हारा सारा दिन शक्तिशाली बना रहे।

बाबा से प्रेरणाएं:

अपने मन को सर्व बातों से हटा कर बाबा मे लगाऐं। बाबा है साइलेन्स का सागर। इस साइलेन्स मे मैं बाबा से प्रेरणायुक्त और पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ।

बाबा से वरदान:

सूक्ष्म वतन मे मीठे बाबा के सामने मेरा फरिश्ता स्वरूप साफ दिखाई दे रहा है। बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं -

तुम सदा स्वयं को विशेष आत्मा समझ, हर एक में विशेषता देखते व वर्णन करते हो। इस कारण तुम सदा ईश्वरीय रायल्टी से चमकते रहते हो और सबके दिलों को दिव्यता से भर देते हो।

बेहद की सूक्ष्म सेवा: (आखिरी के पंद्रह मिनिट - प्रातः ४:४५ से ५:०० बजे तक)

बाबा द्वारा इस वरदान को अपने शुभ संकल्पों द्वारा, वरदाता बन, मैं पूरे विश्व को दान दे रही हूँ। अपनी फरिश्ता ड्रेस पहन कर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ।

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया के पार जा कर अपनी स्टेज को स्थिर बनाऐं। चेक करें की आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की? अगर हाँ तो बाबा को बताऐं। किसी के मोह या आकर्षण मे बुद्धि तो नही फंसी? अपने कर्मो का चार्ट बनाऐं। तीस मिनिट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें। अपने दिल को साफ और हल्का कर के सोऐं।

18.01.2015

एक जागृत आत्मा की भाग्यविधाता के साथ रूहरिहान

पहली स्मृति

आँख खुलते ही संकल्प करें कि मैं आत्मा हूँ। मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिये स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूँ।

मैं कौन हूँ?

मैं एक जागृत आत्मा हूँ। मेरे अंदर स्व को परिवर्तन करने की शक्ति है। बाबा की प्रॉपर्टी पर मेरा पूरा अधिकार है। मुझे ये स्पष्ट नज़र आ रहा है कि ब्रह्मा बाबा व शिव बाबा मेरा भाग्य बना रहे हैं।

मैं किसकी हूँ?

आत्मा की बाबा से रूहरिहान:

मीठे बाबा! गुड मॉर्निंग। मुझे अपनी गल्तियों का अहसास हो गया है। स्वचिन्तन के बजाय मैंने परचिन्तन में अपना समय बिताया। स्वपरिवर्तन के बजाय मैं दूसरों को बदलने में लगी रही। ये सोचने के बजाय कि "मैं बाबा का कार्य कर रही हूँ, इसलिये बाबा प्रत्यक्ष हो" मैंने तो ये सोच लिया कि "मैंने ये कार्य बाबा के लिये किया, इसलिये मुझे

प्रत्यक्ष होना है"। मेरी इन गल्तियों के कारण मुझे पद्मगुणा के बजाय मुट्ठी भर ही मिलेगा, बाबा!

बाबा की आत्मा से रूहरिहान:

मीठे बच्चे! जागो! मेरे साथ बैठो। अमृतवेले जब तुम भाग्य बनाने वाले बाप से मिलन मनाते हो, तब तुम्हें अपना भाग्य बनाने का वरदान मिलता हैं। लेकिन कोई तो भाग्यशाली बनते हैं, कोई सौभाग्यशाली और कोई पदमापद्म भाग्यशाली बन जाते हैं। बाबा ने तुम्हें दो प्रकार की चाबियाँ दी हैं। जब तुम इन दोनों चाबियों को सही दिशा में घुमाओगे, तब ही तुम्हारे भाग्य का ताला खुलेगा। पहली चाबी है - "मेरा तो एक बाबा, दूसरा ना कोई"। दूसरी चाबी है - "ब्रह्मा बाबा मेरा भाग्य बना रहे हैं"। इन चाबियों का प्रयोग करो और अपने भाग्य के खज़ाने को प्राप्त करो। तुम्हें एवर- हेल्दी शरीर, शांत मन, बेहद की संपत्ती, विश्व की बादशाही और प्रकृति का सम्पूर्ण सहयोग खज़ाने के रूप में मिल रहे हैं।

बाबा से प्रेरणाएं:

अपने मन को सर्व बातों से हटा कर बाबा मे लगाऐं। बाबा है साइलेन्स का सागर। इस साइलेन्स मे मैं बाबा से प्रेरणायुक्त और पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ।

बाबा से वरदान:

सूक्ष्म वतन मे मीठे बाबा के सामने मेरा फरिश्ता स्वरूप साफ दिखाई दे रहा है। बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं -

जैसे कोई चीज़ बनाते हैं, जब वह बनकर तैयार हो जाती है, तो किनारा छोड़ देती है। तुमने भी सर्व लगावों से किनारा कर अपना दिल उस एक सुन्दर बाप से ही लगा लिया है।। इसलिये, तुम सर्व से किनारा कर सम्पूर्ण फरिश्ते बन रहे हो।

बेहद की सूक्ष्म सेवा: (आखिरी के पंद्रह मिनिट - प्रातः ४:४५ से ५:०० बजे तक)

बाबा द्वारा इस वरदान को अपने शुभ संकल्पों द्वारा, वरदाता बन, मैं पूरे विश्व को दान दे रही हूँ। अपनी फरिश्ता ड्रेस पहन कर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ।

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया के पार जा कर अपनी स्टेज को स्थिर बनाऐं। चेक करें की आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की? अगर हाँ तो बाबा को बताऐं। किसी के मोह या आकर्षण मे बुद्धि तो नही फंसी? अपने कर्मो का चार्ट बनाऐं। तीस मिनिट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें। अपने दिल को साफ और हल्का कर के सोऐं।